RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

सुविचार

वह आदमी अमरत्व तक पहुंच गया है जो किसी भी चीज़ से विचलित नहीं होता है।
स्वामी विवेकानंद

वर्ष-03, अंक - 34 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 27 मई 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सिक्किम में शहीद गुणावद के लाल का हुआ गॉड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम संस्कार, तीन साल की बच्ची ने दी मुखाग्नि

पांच दिन के इंतज़ार के बाद जवान का पार्थिव शरीर पहुँच सका ग्रह ग्राम

माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

रतलाम जिले के गुणावत में रहने वाले लांसनायक कन्हैयालाल जाट सिक्किम में शहीद हो गए, भारतीय सेना की सीएमपी यूनिट में तैनात जवान का बुधवार को अंतिम संस्कार हुआ। जवान की शहादत पर प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी दुख जताया था लेकिन उसके बाद शहीद जवान और उसके परिवार की कोई सूद नही ली, जिससे जवान का पार्थिव देह पांच दिन बाद ग्रह ग्राम गुणावत पहुँच सका। परिवार और ग्रामवासियों के विरोध के बाद मामला मीडिया में आया ओर सरकार की जबरदस्त किरकिरी हुई और शोशल मीडिया पर सरकार की लापरवाही के प्रति जबरजस्त आक्रोश देखा गया, जिसके बाद शहीद जवान का पार्थिव शरीर मंगलवार देर शाम को रतलाम पहुँचा।

तीन साल की बेटी ने दी मुखाग्नि

बुधवार सुबह ही जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक रतलाम जिले के गाँव गुणावद पहुँचा, शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस दौरान रतलाम कोविड प्रभारी व प्रदेश उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव भी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। जहां शहीद की तीन साल की बेटी किंजल ने उन्हें मुखाग्नि दी।

सिक्किम में थे तैनात श्री जाट

सेना में लांसनायक के पद पर तैनात कन्हैयालाल जाट इस वक्त सिक्किम में तैनात थे, बताया जा रहा है कि, शनिवार शाम ड्यूटी के दौरान वाहन की सफाई करते वक्त एक हादसे में उनकी मौत हो गई। इस घटना की जानकारी उनके भाई बलराम जाट को रात 10 बजे मिली। शहीद कन्हैयालाल का पार्थिव शरीर रविवार शाम इंदौर लाया गया, जिसके बाद जवान के पार्थिव देह को बुधवार को उनके गांव लाया गया।

इलेक्ट्रिक शॉक से हुए घायल

बताया जा रहा है कि, सिक्किम में तैनात जवान शाम को सैन्य वाहन की सफाई कर रहे थे तभी उन्हे इलेक्ट्रिक शॉक लग गया, जिससे वह घायल हो गए साथी जवान उन्हें अस्पताल लेकर गए लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जून में छुट्टी पर गांव आना था पर आया पार्थिव शरीर

कन्हैयालाल जाट जून में छुट्टी पर घर आने वाले थे। इसकी सूचना उन्होंने अपने घर भी दे दी थी, लेकिन इससे पहले उनकी शहादत की खबर घर पहुंच गई, लांसनायक कन्हैयालाल के शहीद होने की खबर मिलने से भारतीय सेना को दर्जनों वीर सपूत देने वाले गुणावद गांव में गम का माहौल छा गया।

अपने ओर देश के बेटे के लिए बिछा दी पलके, कोरोना के खतरे को भी किया दरकिनार

देश की सेवा में लगे गुणावद के लाल का शव जब अंतिम संस्कार के लिए गुणावद पहुँचा तो देश की सेवा में लगे लाल के लिए पलके बिछा दी, हर किसी की आँखे नम थी और हर कोई अपने लाल के अंतिम दर्शन करना चाहता था। जिसके लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण अंतिम संस्कार में शामिल हुए और कोरोना जैसी गंभीर बीमारी को भी दरकिनार कर बस एक बार जवान को देखने के लिए आए थे, आम जन की भावनाओं को प्रशासन ने भी समझा और अंतिम संस्कार में पहुँची भीड़ के लिए किसी प्रकार की कोई सख्ती नही की, अंतिम संस्कार के पूर्व सेना और पुलिस ने गाड़ ऑफऑनर दिया।

सरकार के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचा वॉट्सऐप, कहा- नए नियमों से होगा प्राइवेसी का अंत

नई दिल्ली एजेंसी। वॉट्सऐप की ओर से भारत सरकार के खिलाफदिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कराई गई है। इस शिकायत याचिका में वॉट्सऐप ने सरकार को बुधवार से जारी होने वाले रेग्युलेशंस को न लागू करने देने की मांग की है। नए नियमों के तहत सरकार ने फेसबुक के मालिकाना हक वाली कंपनी को प्राइवेसी रूल्स से पीछे हटने को कहा है। इस मुकदमे में दिल्ली हाईकोर्ट से यह घोषित करने के लिए कहा गया है कि, नए नियमों में से एक भारत के संविधान के तहत दिए गए गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस नियम के मुताबिक, जब सरकारें मांग करें तो सोशल मीडिया कंपनियों को किसी सूचना को सबसे पहले साझा करने वाले की पहचान करनी पड़ती है।

कानून के मुताबिक वॉट्सऐप को सिर्फउन लोगों की पहचान बतानी है, जिनपर गलत जानकारी साझा करने का विश्वसनीय आरोप है, लेकिन वॉट्सऐप का कहना है कि वह यह नहीं कर सकती। वॉट्सऐप के मुताबिक, उसके मेसेज एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड यानी कूट भाषा में होते हैं। उसका कहना है कि नए नियम का पालन करने के लिए उसे मेसेज प्राप्त करने वालों के लिए और मेसेज को सबसे पहले शेयर करने वालों के लिए इस एन्क्रिप्शन को ब्रेक करना पड़ेगा।

मैं कोरोना से हारे परिवार के दुख में शामिल - पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कोरोना महामारी दशकों में मानवता के सामने आया है, जिसने पूरी दुनिया को बदल कर रख दिया है। मोदी ने कहा कि, महामारी ने सभी देश को प्रभावित किया है और कोरोना के बाद हमारी दुनिया पहले जैसी नहीं रहेगी।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर वेसाक वैश्विक समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस महामारी में हुए मृत लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि, इस महामारी में जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया उन पीडित परिवार के दुख में शामिल हैं।

मोदी ने कहा कि, भारत इस चुनौती का मजबूती से मुकाबला कर रहा है और इसमें टीके की भूमिका अहम है। कोविड-19 दशकों में मानवता के सामने आया सबसे बुरा संकट है, हमने पिछली एक सदी में ऐसी महामारी नहीं देखी, कोरोना ने दुनिया को बदलकर रख दिया है।

कोरोना को हराएगी वैक्सीन

उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद पृथ्वी पहले जैसी नहीं रहेगी और हम घटनाओं को आने वाले समय में कोरोना से पहले या कोरोना से बाद की घटना के रूप में याद करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे पास टीके उपलब्ध हैं जो लोगों की जान को बचाने और महामारी को हराने के लिए महत्वपूर्ण है, भारत को अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है।

पुजारी की मौत के केस में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, पीएम के बाद बॉडी में जहर की पुष्टि

इंदौर। इंदौर के कर्मा नगर में रहने वाले पुजारी प्यारेलाल उर्फरामजी साहू (65) की मौत में तीसरे दिन पुलिस को शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिली। पुलिस ने कहा कि, रिपोर्ट के मुताबिक उनके पेट में सस्पेक्टेड पॉइजन होने का पता चला है। मामले में आत्महत्या किए जाने और आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में केस दर्ज कर मुख्य आरोपी हरि प्रसाद साहू को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक पुजारी प्यारेलाल उर्फ रामजी साहू की मौत के बाद पत्नी कलाबाई ने रिपोर्ट दर्ज की थी कि, धर्मशाला में पति को आरोपी हरि प्रसाद एवं बेटे ने कुछ गुंडों के साथ बुरी तरह पीटा था। पिटाई कांड और आरोपियों के द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने के कारण ही वे काफी तनाव में आ गए थे, इसी के चलते उन्होंने घर आकर अज्ञात जहरीला पदार्थ खा लिया था उससे ही उनकी मौत हुई है। मामला सामने आने के बाद जनता भी सड़क पर उतर आई थी। पुलिस ने शार्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आरोपी हरिप्रसाद साहू व उसके बेटे और साथियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में केस दर्ज किया है।

बाबा रामदेव को एक हजार करोड़ का नोटिस, पीएम से बाबा रामदेव के विरूद्ध देश द्रोह का मामला दर्ज करने की अपील

देहरादून, एजेंसी। एलोपैथी और आयुर्वेद को लेकर छिड़ी जंग में बाबा रामदेव उलझते नजर आ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन के पत्र के बाद बाबा रामदेव ने जब बयान वापस लिया तो लगा कि, विवाद थम जायेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बाबा रामदेव ने एलोपैथी डॉक्टरो से कुछ सवाल पूछ लिए जिसके बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने बाबा रामदेव को एक हजार करोड़ की मानहानि का क़ानूनी नोटिस भेजा है और 15 दिन में लिखित रूप से और वीडियो में बयान पर माफ़ी मांगने ले लिए कहा है।

एलोपैथी को तमाशा, नौटंकी, स्टुपिड साइंस, और लाखों लोगों की मौत वाले बयान पर योग गुरु बाबा रामदेव ने माफी मांग ली थी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की आपत्ति के बाद केंद्र सरकार ने बाबा रामदेव के बयान पर आपत्ति जताई थी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्ष वर्धन ने बाबा रामदेव का बयान दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्हें एक कड़े शब्दों वाला पत्र लिखा था। जिसके बाद बाबा रामदेव ने बयान वापस ले लिया था।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में आईएमए ने कहा है कि, पतंजलि के मालिक रामदेव की ओर से टीकाकरण को लेकर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के प्रसार को रोका जाना चाहिए।

आईएमए ने कहा कि एक वीडियो में उन्होंने (रामदेव) ने दावा किया कि वैक्सीन की दोनों खुराकें लेने के बाद भी 10 हजार से ज्यादा चिकित्सक और लाखों लोगों की मौत हुई है। आईएमए ने रामदेव के खिलाफदेशद्रोह के आरोपों के तहत कार्रवाई की मांग की है।

अपनी राजनीति चमकाने के लिए किया संविधान की शपथ का उल्लंघन

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

भारतीय संविधान में सर्वधर्म संभव की भावना निहित है। संविधान सभी धर्मो, पंथो, संप्रदाय को समान दृष्टि से देखता है और कोई भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि चाहे वह पंच से लेकर प्रधानमंत्री तक संविधान की शपथ लेकर ही अपना कार्यभार ग्रहण करते हैं। संविधान में भी जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की गई है कि, वह सभी धर्मों का समान रूप से आदर करते हुए व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के निचले व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और उनके उत्थान के लिए कार्य करेंगे। लेकिन वर्तमान राजनीति इतने नीचले स्तर तक गिर गई है कि, अपने शर्ट को ज्यादा सफेद साबित करने के चक्कर में विरोधियों पर कीचड़ तक उछालने से परहेज नहीं करते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना ने भी कुछ इसी तरह का व्यवहार किया है, ऊंच-नीच, जात-पात, धर्म, संप्रदाय व अमीर-गरीब से ऊपर उठकर सभी को समान रूप से अपनी चपेट में लिया है। अब होना यह चाहिए था कि, इससे लड़ने में भी सभी को सामूहिक रूप से आगे आना था यहां ऊंच-नीच व राजनीतिक लाभ-हानि नहीं देखा जाना था। लेकिन इसे भारतीय राजनीति की विडंबना ही कहेंगे कि, इसमें भी हमारे देश के राजनीतिज्ञों को राजनीति सूझ रही है, लाशों पर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रही है। अभी सवाल यह नहीं है कि, कोरोना से कितनी मौतें हो रही है, बल्कि सवाल यह होना चाहिए कि हमें प्रत्येक चलती सांसों को थामना है, कितने व्यक्ति तक हम इलाज पहुंचा पाते हैं और कितने लोगों को हम संक्रमित होने से बचा सकते हैं, अभी केवल सभी का मकसद पीड़ित मानवता की सेवा ही होना चाहिए।

लेकिन हमारे रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर सांसद महोदय गुमान सिंह इस आपदा में भी अपनी राजनीति चमकाने का अवसर तलाश रहे हैं, जब कोरोना कर्फ्यू (लॉकडाउन) लगाने की बात आई थी तो सांसद महोदय ने आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में सार्वजनिक रूप से कहा था कि, कोरोना के नाम पर हमारे आदिवासियों को परेशान नहीं किया जाए और अभी शादी-ब्याह का मौसम चल रहा है जीवन में केवल एक बार शादी होती है। शायद सांसद की इसी हठधर्मिता के चलते कोरोना कर्फ्यू लगाने में देरी की गई और जिले में संक्रमण की दर तेजी से बढ़ती गई थी, उसके पश्चात् नए कलेक्टर और कोविड नियंत्रण के लिए प्रभारी मंत्री की नियुक्ति के बाद 16 अप्रैल से कोराना कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया गया। जिसके बाद कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए व्यापक प्रयास किए गए, यहां तक की सभी सार्वजनिक समारोह, शादी-ब्याह व बड़े आयोजिन को प्रतिबंधित भी किया गया।

अब जब कोरोना संक्रमण नियंत्रण में आता दिख रहा है और जिला अनलॉक की तरफ बढ़ रहा है तो एक बार फिर आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में सांसद महोदय अपनी गिरती राजनीतिक साख को बचाने के लिए एक बार फिर जातिवादी भाषा का प्रयोग करते हुए कह रहे हैं कि, कोरोना संक्रमण को लेकर भगोरिया पर्व को बदनाम किया जा रहा है, दिल्ली, मुंबई, बेंगलोर में भगोरिया था क्या? वहां कोरोना नहीं फैला, क्या केवल भगोरिया से ही कोरोना फैला है। भगोरिया के नाम पर आदिवासी समाज को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए।

लेकिन भारतीय समाज में तो सभी पर्वों को समान रूप से पूरे उत्साह व उमंग से मनाने की परंपरा रही है। चाहे दिवाली हो या होली ईद हो या क्रिसमस हम सभी मिलजुल कर त्यौहार मनाते हैं। अगर भगोरिया आदिवासी समाज का पर्व है तो क्या अन्य समाज के लोग नहीं मनाते हैं, झाबुआ व अलीराजपुर जिले के भगोरिया हाट में विदेशी पर्यटक तक आते हैं, ऐसे में भगोरिया पर्व सभी का पर्व है और हम सब मिलकर इसे मनाते हैं। ऐसे में सांसद महोदय का यह कहना कि, आदिवासी समाज को भगोरिया के नाम पर बदनाम किया जा रहा है, यह कहना गलत है। अगर कोई व्यक्ति भगोरिया पर्व को कोरोना फेलने का कारण बतला रहा है तो वह जिले का अपमान कर रहा है, जिले की संस्कृति को बदनाम कर रहा है न कि आदिवासी समाज को। सासंद जी आपदा में अवसर ढुंढ कर आप अपनी जमीनी स्तर पर गिरती राजनिति को जातिवादी बयान देकर अपनी राजनिति को मजबुत करने का असफल प्रयास कर रहे है।

यह देश गंगा-जमुना की तहजीब का देश है और सांसद महोदय को निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में इस प्रकार के जातिवादी बयान देने से बचना चाहिए, अभी यह समय अपनी राजनीतिक करने का नहीं बल्कि कोरोना से लड़ने का है, सभी ने मिलजुलकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लडी है जो निर्णायक स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में हमारी जरा सी और असावधानी हमें भारी पड़ सकती है। हमें कोरोना के खिलाफ बनाई गई गाइडलाइन का पालन अभी और करते रहना है, मास्क, सामाजिक दूरी और सैनेटाइजर के साथ ही टीकाकरण मुख्य हथियार है। टीकाकरण के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों को रोकना है तथा प्रत्येक व्यक्ति को टीकाकरण के लिए प्रेरित करना होगा तभी जीतेगा भारत हारेगा कोरोना।

अपनी राजनिति मजबुत करने के लिए संविधान का उलघंन करने वाले सांसद गुमान के बयान सुने क्युआर कोड़ स्कैन कर।

वाह रे सिस्टम: जिंदा युवक को बता दिया मृत, अब अपने जिंदा होने का सबूत स्वंय को जाकर देना पड़ रहे है

अशोक नगर। हमारे सिस्टम की चूक के कारण हमे कितनी भारी पड़ जाती है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि, एमपी के अशोक नगर जिले में एक युवक अपने जिंदा होने के सबूत लेकर स्वंय दो माह से सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन अभी तक उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। दरअसल सरकारी कागजों में युवक को 2019 में मृत घोषित कर दिया गया, अब वह राशन व अन्य सरकारी सुविधाएं पाने के लिए अपने जिंदा होने के सबूत लिकर भटक रहा है।

यह है मामला

मामला एमपी के अशोकनगर जिले की चंदेरी तहसील का है, यहां रहने वाले युवक शिवकुमार अहिरवार इन दिनों अजब परेशानी से गूजर रहा है। दैनिक मजदूरी करने वाले शिवकुमार ने साल 2018 में राज्य सरकार की योजना 'मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना' के तहत अपना पंजीकरण कराया था, इस योजना के तहत लाभार्थियों को राशन वितरण, स्वास्थ्य लाभ और मृत्यु के बाद परिजनों को आर्थिक सहायता मिलती है।

योजना में पंजीकृत होने के बाद शिवकुमार को अपने बेटे के जन्म के बाद सरकार की तरफसे 18 हजार रुपए की आर्थिक मदद मिली, लेकिन जब इस साल उसकी बेटी का जन्म हुआ और वह सरकार की तरफसे मिलने वाली आर्थिक मदद लेने ब्लॉक ऑफिस पहुंचा तो उसे बताया गया कि, आधिकारिक तौर पर सरकारी कागजों में मृत घोषित कर दिया गया है।

अधिकारीयो के अनुसार 2019 में योजना के लाभार्थियों का फिजिकल वेरिफिकेशन हुआ, उस वक्त क्लर्क की गलती के चलते रिकॉर्ड में शिवकुमार का नाम मृतक के तौर पर दर्ज हो गया और गलती को सुधारा जा रहा है।

बिगड़ती छवि को सुधारने के चक्कर में थाना प्रभारी ने मंत्री, अधिकारी और थाने के जवानों की जान खतरे में डाली

थाना प्रभारी के खिलाफ शिकायत करने वाली महिलाओं को बयान के लिए नोटिस जारी

थाना प्रभारी तेजमल पंवार ने कोविड गाईडलाइन के विपरीत जाकर थाने के बाहर ही अपना इलाज करवाया।

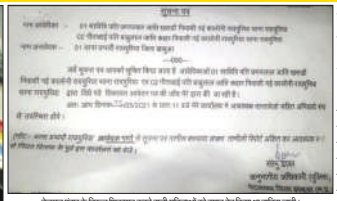

तेजमल पंवार के विरूद्ध शिकायत करने वाली महिलाओं को बयान हेतु किया था नोटिस जारी।

माही की गूंज, झाबुआ/तवपुरिया।

रायपुरिया थाना प्रभारी के खिलाफदो महिलाओं द्वारा लगाए गए गम्भीर आरोपो के मामले को गूंज द्वारा उठाए जाने के बाद एसडीओपी ने शिकायत करने वाली महिलाओं को बयान दर्ज करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है, मामले की जांच एसडीओपी पेटलावद कर रही है। शिकायत के बाद से अब तक थाना प्रभारी पर कोई कार्रवाई नही हुई है और पूरे मामले को रफ-दफ करने के प्रयास किए जा रहे है, ताकि पुलिस की खराब हो रही साख को बचाया जा सके।

नोटिस के अनुसार मंगलवार को पीड़ित महिलाओं के बयान होने थे। इस संबंध में एसडीओपी सोनू डावर ने बताया कि, बयान के लिए महिलाओं को बुलाया था लेकिन वो नही आई इसलिए फिर से बयान हेतु सुचना नोटिस जारी कर नई तारिख दी जाएगी।

क्या कोरोना को हल्के में ले रहे अधिकारी?

गत् दिनों कोविट प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग जिले के दौरे पर आए थे इस दौरान मंत्रीजी रायपुरिया-तारखेड़ी के रूट से होकर झाबुआ गए थे। प्रोटोकॉल के तहत रायपुरिया थाना क्षेत्र होने के कारण रायपुरिया थाने से मंत्रीजी के दौरे की व्यवस्था को संभलना था, लेकिन ठिक एक दिन पहले थाना प्रभारी तेजमल पंवार की अचानक तबियत खराब हो गई थी। जहा एक और प्रशासन तबीयत खराब होने पर कोरोना की जांच और इलाज लेने का बोल रहे हैं, वही थाना प्रभारी पंवार ने शायद कोरोना को हल्के में लेते हुए अपने बीमार होने को अपनी बिगड़ी हुई छवि सुधारने का अवसर बना लिया और इलाज के लिए घर या हॉस्पिटल जाने की बजाए थाने के बहार ही ओटले पर लेटकर डॉक्टर से बॉटल लगवा ली और सुबह तैयार होकर मंत्रीजी के काफिले की व्यवस्था संभाल ली। चुकी थाना प्रभारी ने खुले में लेटकर इलाज लिया, थाना प्रभारी की ये हरकत अचानक सुर्खियों में आ कर अखबारों की हेडलाइन बन गई कि, बीमार थाना प्रभारी मंत्री के दौरे पर मुस्तेद रहकर व्यवस्था संभाल रहे है। लेकिन थाना प्रभारी की ये नादानी न केवल उनके स्वयं के लिए बल्कि रायपुरिया थाने के स्टाफ और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारियों सहित मंत्री और उनके काफ्किे में मौजूद लोगों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

कोरोना काल मे ये भी देखने मे आया है कि, वेक्सीन के दो डोज लगने के बाद भी कई लोग कोरोना की चपटे में आ कर गम्भीर बीमार हो गए हैं। ऐसे में एक जवाबदार एवं थाना प्रभारी होकर अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही करते हुए बिना जांच के प्राथमिक उपचार लेकर ड्यूटी पर चले गए, जो कोरोना गाईडलाइन के विपरीत होकर कही न कही कोरोना पॉजिटिव होने की स्थिति में गंभीर परिणाम भी आ सकते थे।

एसडीओपी लगातार रायपुरिया थाना क्षेत्र में सक्रिय

पेटलावद अनुभाग की एसडीपीओ सौनु डावर लगातार रायपुरिया थाना क्षेत्र में सक्रिय हैं। ऐसे में रायपुरिया थाना प्रभारी द्वारा बीमार होने के बाद सामान्य इलाज लिया गया। विश्वनीय सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार थाना प्रभारी को सुगर सहित एक ओर गम्भीर बीमारी भी है जिसके चलते कोविड के समय थोड़ी सी भी लापरवाही थाना प्रभारी को भारी पड़ सकती थी।

कोरोना के बाद ब्लैक फंगस लील रहा लोगों की जिंदगियां

माही की गूंज, शुजालपुर।

दिनेश पटेल

शंकुतला बाई

एक तरफजहां अप्रैल माह में कोरोना ने अपना कहर बरपाया वहीं अब मई माह में कोरोना से ठीक होने वाले लोगों के लिए ब्लैक फंगस जानलेवा साबित हो रहा है। प्रदेश सहित कई राज्यों की सरकारे इसे अपने राज्यों में महामारी घोषित कर चुकी है और राज्य सरकार इस काली बीमारी का मुफ्त इलाज करने का दावा कर रही है। लेकिन इंदौर, भोपाल जैसे बड़े शहरों में भी अभी तक इस फंगस का पूरी तरह इलाज मौजूद नहीं है न ही इसके इंजेक्शंस मौजूद है, ऐसा कहना है इस बीमारी से पीड़ित लोगों के परिजनों का।

क्षेत्र में ही अभी तक इस फंगस के 6 मरीज सामने आ चुके हैं जिसमें से तीन लोगों की मौत भी हो चुकी है। सबसे पहली मौत सलसलाई की महिला शंकुतला बाई की हुई थी उसके बाद दो दिनों में लगातार दो मौतें होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। दूसरी मौत शुजालपुर की महिला मधुबाई पति रमेश बीलवाल जो की हुई जो नपा में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थी। जो नपा परिषद द्वारा कोरोना से बचाव हैतु पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण कोरोना की शिकार हो गई थी। कोरोना से ठीक होने के 25 दिन बाद ब्लेक फंगस इनकी जिंदगी लील गया। परिजन इनको इलाज के लिए कभी सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर तो कभी भोपाल तो कभी इंदौर ले गए, लेकिन कहीं भी उचित इलाज नहीं मिल पाया। जिससे इनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी, एक आंख की रोशनी जाने के 8 दिन बाद इंजेक्शन के अभाव में इंदौर के एमवाई हॉस्पिटल में मधुबाई ने दम तोड़ दिया। तीसरी मृत्यु पास के ही ग्राम के रहने वाले युवा दिनेश पटेल की हुई सरकार लाख दावा करे कि, उनके पास ब्लैक फंगस बीमारी का इलाज मौजूद है और वह इस बीमारी का मुफ्त में इलाज उपलब्ध करा रही है लेकिन यह सारे दावे जमीनी स्तर पर हवा-हवाई साबित हो रहे हैं और यह काला फंगस लगातार लोगों को अपना शिकार बना रहा है।

तय किराए से ज्यादा पैसे लेने पर जब्त की एम्बुलेंस

माही की गूंज, रतलाम। कोरोना काल में हर जगह एंबुलेंस मालिक मरीज के परिवार वालों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। शिकायतों के बाद प्रशासन ने किराया भी तय कर दिया लेकिन फिर भी मनमानी का दौर चालू है। ऐसे में मंदसौर पुलिस ने एक एंबुलेंस जब्त की है। मंदसौर से रतलाम आने का किराया 2 हजार 500 रुपए के बजाए 4 हजार 500 रुपए लिया था, पुलिस ने उक्त एंबुलेंस जब्त कर ली है। प्रशासन द्वारा एंबुलेंस के संबंध में जारी आदेश में धारा 144 की अवहेलना करने पर एंबुलेंस एमपी 44 एएच 0816 जब्त किया गया है। एंबुलेंस मालिक का नाम प्रकाश ग्वाला है व एम्बुलेंस को महेश चला रहा था। एम्बुलेंस ने ड्राइवर ने बताया कि, लकी नाम का जिला अस्पताल में ही कार्यरत एक सफाई कर्मचारी अवैध ढंग से एंबुलेंस उपलब्ध करवाने को कहा करता था। इस मामले में भी जांच की जा रही है।

गृहे गृहे गायत्री यज्ञ संपन्न

नगर के हजारों घरों में गायत्री मंत्र की आहूतियों से वातावरण गूंजा

माही की गूंज, झाबुआ।

बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियों से नगर गुंजायमान हो गया। कोरोना संक्रमण के समुल नाश और इस महामारी से मानव मात्र की रक्षा वातावरण में शुद्धता - पवित्रता के लिए घर-घर में यज्ञ किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित एक दिवसीय गायत्री महायज्ञ में नगर के हजारों परिवारों ने अपनी सहभागिता दी।

सुबह 8 से 11 बजे तक नगर के रामकृष्ण नगर, विवेकानंद कॉलोनी, दिलीप पैट, बसंत कॉलोनी, नेहरू मार्ग, राधाकृष्ण मार्ग, गोपाल कॉलोनी, टीचर्स कॉलोनी, मोजीपाड़ा, लक्ष्मीबाई मार्ग, लक्ष्मीनगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सुखदेव विहार कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों के रहवासियों ने एक साथ एक ही समय में पूर्ण विधी-विधान के साथ पूजा-पाठ कर गायत्री यज्ञ परिवार के सदस्यों के साथ अपने-अपने घरों में किया। महिला- पुरूष, बच्चे बुजुर्ग सभी सहभागी बने।

परिवार सहित लोगों ने दी यज्ञ में आहुतियां

संकट निवारण के उद्देश्य से हुआ आयोजन

गायत्री शक्तिपीठ बसंत कॉलोनी के प्रमुख ट्रस्टी एसएस पुरोहित ने बताया कि कोरोना काल के संकट निवारण के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। जिसमें 200 से अधिक परिवार जुड़े और यज्ञ में आहुतियां समर्पित की। गायत्री शक्तिपीठ पर भी यज्ञ संपन्न किया गया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक आध्यात्मवाद का यह एक उदाहरण है। यज्ञ से घरों और वातावरण में शुद्धता आती है। उन्होंने बताया कि आयोजन को लेकर पूर्व तैयारियां की जा चुकी थी। जिन घरों मे यज्ञ संपन्न होना थे, उन्हें एक दिन पूर्व ही हवन सामग्री की सूचि, हवन सामग्री तथा यज्ञ संचालन का विडीयों उपलब्ध करवाया गया था।

घर-घर हुआ गायत्री यज्ञ का आयोजन

यज्ञ करने पर अद्भुत अनुभूति होती है

- गोपाल कॉलोनी निवासी राजेश भावसार परिवार ने स्वयं यज्ञ किया तथा अपने पड़ोसी पंकज नायक के परिवार को भी इससे लाभान्वित किया। भावसार ने आयोजन के बारे में कहा कि सामाजिक उत्थान व कोरोना महामारी से बचाव व सर्वकल्याण भाव को सादर नमन, भाव शुद्धि व मन शुद्धि के साथ आत्मिक कल्याण की भावनाओं में अभिवृद्धि भी इस यज्ञ से हुई है।शिक्षाविद केके त्रिवेदी, सामाजिक कार्यकर्ता भारती सोनी, अजय रामावत, व्यापारी संघ अध्यक्ष नीजर राठोर, पार्षद अजय सोनी, दीनदयाल माहेश्वरी, अखिलेश मुलैवा, शैलेन्द्र चौरे, राजेन्द्र सोलंकी, सुनील सक्सेना, श्रीराम शर्मा, सुधीर कुशवाह, संजय माथुर, राजेन्द्र सोनी, मनीष वैरागी, महेन्द्र हाडा, राकेश झरबडे सहित कई लोगों ने कहा कि यज्ञ करने पर अद्भुत अनुभूति होती है। आयोजन में गायत्री परिवार के कार्यकर्ता श्याम त्रिवेदी, विनोद जायसवाल, दिनेश दांगी, प्रशांत मलिक, विनोद गुप्ता, अरूण अरोड़ा, सरदारसिंह चौहान, प्रदीप पंड्या, दीपक त्रिवेदी का सहयोग रहा।

31 मई सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेगा कोरोना कर्फ्यू

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में कोविड-19 की वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कुमार पुरूषोत्तम ने 31 मई सुबह 6 बजे तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। वहीं पूर्व में जारी आदेशानुसार सभी प्रतिबन्ध यथावत रहेंगे जिसके अनुसार इस अवधि में सभी अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे तथा अपने घरों में ही रहेंगे। अत्यधिक सेवा वाले विभाग यथा राज्य स्वास्थ्य, पुलिस, विद्युत, दूरसंचार, नगरपालिका, पंचायत, रेलवे, बैंक, इत्यादि विभाग से मुक्त रहेंगे। समस्त मेडिकल एवं आयुर्वेदिक दुकान सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक खुली रहेंगी। शासकीय चिकित्सालय एवं निजी अस्पतालों के 100 मीटर की परिधि की मेडिकल दुकान में 24 घंटे खुली रखने की अनुमति रहेगी तथा ग्रामीण क्षेत्र की समस्त मेडिकल दुकानें खुली रह सकेगी।

फल विक्रेताओं को होम डिलीवरी की अनुमति निर्धारित संख्या में चार पहिया वाहन से ही सप्ताह में सोमवार, बुधवार, शुक्रवार सुबह 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक वितरण किया जा सकेगा। घर-घर जाकर दूध वितरण करने वाले दूध विक्रेता तथा दूध पार्लर से पैकेट आपूर्ति हेतु सुबह 6 बजे से 9 बजे तक एवं शाम साढ़े 5 बजे से रात्रि साढ़े 8 बजे तक दूध वितरण करने की अनुमति रहेगी। टीकाकरण हेतु अपने नजदीकी केंद्र पर आने-जाने की अनुमति रहेगी। आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु नजदीकी केंद्र पर आने-जाने की अनुमति रहेगी। गैस एजेंसी द्वारा एलपीजी गैस सिलेंडर का चालू रहेगा परंतु आउटलेट पर स्वयं नहीं जा सकेंगे। जिले में उद्योग इकाई खुली रहेगी। उद्योग में कार्यरत श्रमिकों, कर्मचारियों को संबंधित एसडीएम कार्यालय से पास प्राप्त करने होंगे।

वहीं बैंक अपने निर्धारित समय पर खुले रहेंगे। जिले के शहरी क्षेत्र से किसी भी व्यक्ति को कृषि कार्य करने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में आना जाना प्रतिबंधित रहेगा। पेट्रोल पंप खोलने की अनुमति रहेगी। जल सप्लाई हेतु आरो वाटर की होम डिलीवरी अनुमति रहेगी, सप्लाई में लगे कर्मचारियों को जांच रिपोर्ट साथ में लाना अनिवार्य होगा। जिले में विवाह समारोह प्रतिबंधित रहेंगे। अंतिम संस्कार शवयात्रा के दौरान अधिकतम 10 व्यक्तियों की अनुमति रहेगी। उठावना एवं पगड़ी कार्यक्रम पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा योजना एवं निर्माणाधीन कार्य की अनुमति रहेगी।

आना-जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा

रतलाम शहर में शासकीय सेवक, बैंक कर्मियों, मीडिया कर्मियों को उनके विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र मान्य रहेगा। फैक्ट्री वर्कर को एसडीएम रतलाम शहर से पूर्व में जारी पास मान्य रहेंगे। प्राइवेट अस्पताल, क्लीनिक, मेडिकल स्टोर, दवाइयों के थोक विक्रेता, पैथोलॉजी लैब वालों को अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय रतलाम शहर से ऑफलाइन पास प्राप्त करना होंगे। अभिभाषकों को निर्धारित समयावधि में बार काउंसिल द्वारा जारी पहचान पत्र मान्य रहेगा। इस दौरान शासकीय सेवक एवं अभिभाषकों को छोड़कर अन्य स्थान से रतलाम शहर में आने वाले व्यक्ति को ई-पास बनाना अनिवार्य होगा। ई-पास के बिन किसी भी व्यक्ति को शहर में आना-जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

सख्तीः लापरवाह लोगो को भेजा अस्थाई जेल

माही की गूंज, मानपुरा।

भानपुरा नगर में थाना प्रभारी कमलेश सिंगार के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर धर्मेश यादव द्वारा कोरोना कर्फ्यू का उलंघन करते पाए गए लगभग 1 दर्जन लापरवाह लोगों पर कार्रवाई की गई। नगर में बेवजह घूम रहे लोग व मास्क का उपयोग नहीं कर रहे लोगों को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट स्कूल में बनाई गई अस्थाई जेल में भेजा गया। एसआई धर्मेश यादव द्वारा पकड़े गए लोगों को शपथ दिलवाकर सख्ती के साथ समझाइश दी गई।

कलेक्टर ने दी एंबुलेंस की सौगात, जन सहयोग से करना होगा संचालन

समूह के कुटीर उद्योग का जायजा लेकर वैरायटी सुधारने के दिए निर्देश

माही की गूंज खवासा, डितेंद्र पाटीदार

कलेक्टर सोमेश मिश्रा व एसपी आशुतोष गुप्ता ने खवासा का दौरा किया, साथ ही कलेक्टर साहब अपने साथ खवासा के लिए एक एंबुलेंस लेकर आए और खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को एंबुलेंस सौपी। ग्राम के प्रधान रमेश बारिया को एंबुलेंस के ड्राइवर की व्यवस्था एवं संचालन हेतु ग्राम पंचायत एवं जन सहयोग से एंबुलेंस संचालन के निर्देश दिए।

वही ग्राम के प्रधान ने क्षेत्र में स्वास्थ्य समस्या को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्थाई रूप से डॉक्टरों की पदस्थापना करने का अनुरोध किया, परंतु प्रभारी डॉक्टर ने स्वास्थ्य सुविधाओं की परेशानी एवं स्थाई रूप से डॉक्टर की पदस्थापना प्रधान उर्फ सरपंच द्वारा किए गए अनुरोध का कटाक्ष कर कलेक्टर साहब को कहा कि, यहां सब कुछ ठीक चल रहा है समीपस्थ बामनिया में भी 2 डॉक्टर पदस्थ है मरीज यहां नहीं तो बामनिया चले जाते हैं जिससे कोई समस्या नहीं आ रही है। प्रभारी डॉ. वीरेंद्र सिंह मैडा की उक्त बात जिस-जिस को पता चली हर कोई ये ही कहने लगा कि प्रभारी डॉक्टर साहब को खवासा में आखिर किस नजरिए से सर्व सुविधा नजर आई समझ के परे है। वही कलेक्टर व एसपी आजीविका मिशन के तहत चलाए जा रहे कुटीर उद्योग का जायजा लेकर बनाई जा रही सामग्री की गुणवत्ता को आंका। समूह की महिलाओं द्वारा बनाए मास्क व सेनेटरी पैड के सैंपल बताएं, जिस पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने वैरायटी में सुधार करने एवं मिनिमम रेट में बेचने पर अधिक सामग्री बिक सकती है की समझाइश दी।

वही प्रथम बार गेहूं तुलाई का कार्य समूह द्वारा किया गया था जिसमें किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं आई कलेक्टर ने जाना, जिसके बाद छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण कलेक्टर-एसपी के साथ आए एसडीओपी व नायब तहसीलदार ने वृक्षारोपण किया।

खोदा पहाड़ निकली चुंहिया की तर्ज पर पेयजल समस्या को लेकर हो रहा है ग्राम पंचायत झकनावदा में काम

सांसद निधि का टैंकर खा रहा धुल, सचिव अपने मुनाफे के चक्कर मे चला रहा खुद का निजी टैंकर

सांसद निधि से मिला टैंकर खा रहा धुल।

कुप जहां से पंचायत सप्लाई कर रही हैं गंदा पानी।

माही की गूंज, झकनावदा। आनंद सिंह सोलंकी

16 मई को माही की गूंज के वेब पोर्टल पर ग्राम पंचायत झकनावदा का समाचार ''झकनावदा के ग्रामीण पेयजल के लिए दर-दर भटक रहे'', ''भीषण गर्मी के चलते लोगो को हो रही पेयजल की समस्या'', ''ग्राम पंचायत को बार-बार अवगत करवाने के बाद भी जल की समस्या ज्यो की त्यों'' हेडिंग के साथ पीने के पानी की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। उक्त खबर का असर यह हुआ कि, ग्राम पंचायत अलर्ट हुई और सरपंच-सचिव ने आनन-फानन में ग्राम में केवल 2 दिन में सचिव ने मुनाफे के चक्कर में अपने निजी पानी के टैंकर से मेन बस स्टैंड से लगाकर पंचायत भवन के रहवासी इलाके में पेयजल का वितरण कर इतिश्री कर ली, लेकिन तीसरे दिन लोग पेयजल (टैंकर) का इंतजार करते रह गए। क्या ग्राम पंचायत झकनावदा के पास पेयजल की समस्या को लेकर कोई दूसरा विकल्प नहीं है? विकल्प तो बहुत हैं, शासन-प्रशासन आए दिन जल समस्या को लेकर नई-नई योजनाएं लागू कर रही है उसके बाद भी ग्राम पंचायत जितनी भी योजनाएं शासन की होती है उसको धरातल पर क्यों नहीं ला पाती। क्योंकि ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव, पंच ईमानदारी से काम नहीं करते, वे केवल यह चाहते हैं कि, अपना काम बनता भाड़ में जाए जनता।

अब सवाल यह भी खड़ा होता है कि, सांसद द्वारा टैंकर दिया गया वह कहां गया और अगर वह ग्राम पंचायत के अधीन है तो उस टैंकर के द्वारा पेयजल का वितरण क्यों नहीं किया? इसके अलावा नगर में 15 से 20 दिन में केवल 10 से 15 मिनट के लिए सरकारी कुप से नल जल योजना के द्वारा पानी आता है, परंतु वह पानी मटमैला एवं गंदा होता है, व्यक्ति उससे उपयोग में नहीं ले सकता, न तो वह पानी पीने योग्य है और न हीं नहाने योग्य है।

सचिव मुनाफे के चक्कर में अपने निजी टैंकर से कर रहा पेयजल की सप्लाई।

झकनावदा की पेयजल की समस्या आज की नहीं है यह तो बहुत ही लंबे समय से चली आ रही है। एक सवाल यह भी खड़ा होता है कि, उसके बाद भी आज तक शासन के नुमाइंदों, जनप्रतिनिधियों, सांसद, विधायक का अभी तक इस समस्या की ओर ध्यान क्यों नहीं गया? आखिर गांव की जनता का क्या कसूर है जो उन्हें पीने योग्य पानी नहीं मिल पाता?

देश में एक ओर कोरोना महामारी का संक्रमण चल रहा है तो दूसरी ओर गांव में पीने का पानी नहीं मिल रहा है। आखिर में जनता न्याय के लिए जाए तो किसके पास जाए? क्योकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जनता की इस गंभीर समस्या पर मौन धारण कर लिया है।

संविदा स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल पर, दिया ज्ञापन

मही की गूंज, थांदला।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आवाहन पर स्थानी ईकाई के कर्मचारी ने सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि, ब्लॉक के समस्त संविदा कर्मचारी सामूहिक हड़ताल पर रहेंगे, संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी किसी भी कैडर के हो सभी अपने कार्य से विरत रहेंगे। यदि शासन द्वारा किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासन कार्रवाई होती है तो ब्लॉक के समस्त संविदा कर्मचारी सामूहिक इस्तीफा दे देंगे। जब तक हमारी मांगों का उचित निराकरण नहीं हो जाता तब तक हड़ताल खत्म नहीं होगी। संविदा कर्मचारियों द्वारा सोमवार को बीएमओ अनिल राठौर को ज्ञापन सौंपकर हड़ताल पर चले गए।

महाविद्यालय को मिली सौगात

माही की गूंज, थांदला।

स्थानीय शासकीय महाविद्यालय थांदला को उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन भोपाल की ओर से 6 अध्यापन हॉल बनाने की सौगात प्राप्त हुई है। उक्त निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 53 लाख 9 हजार रूपए की राशि उक्त विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की है। 6 अध्यापन हॉल के निर्माण के लिए महाविद्यालय परिसर की भूमि का चयन किया गया है। शासन द्वारा उक्त राशि प्राप्त होते ही पीआईयू झाबुआ को निर्माण के लिए प्रेषित की जाएगी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता ने बताया कि, थांदला में ग्रामीण क्षेत्र से बहुत अधिक संख्या मे विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते है, यहां पर स्नातक में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय तथा स्नातकोत्तर में कला संकाय (अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र) एवं वाणिज्य संकाय में एम.कॉम. के विषय संचालित है एवं अन्य विषय भी खोले जाने के प्रयास किए जाएगें। जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभाविन्त होगें और महाविद्यालय के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कोरोना कर्फ्यु से राहत में जन-जीवन को मिली राहत

प्रशासन की भेदभावपूर्ण नीति से व्यापारी संगठनों में रोष

माही की गूंज, थांदला।

जिले के कोविड प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग के 23 मई को झाबुआ में क्राइसेस समिति की बैठक के दौरान कोविड मामलों की समीक्षा में जिले में कोविड के मामलों में संतोषजनक स्थिति को देख जिले में लॉकडाउन में राहत देने के निर्देश जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा को दिए। इस निर्देश के बाद कलेक्टर श्री मिश्रा ने आदेश जारी कर कोरोना कर्फ्यु में कुछ व्यवसाय को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक खोलने की छुट दी गई। वही अनेक व्यापार पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध रखा। 39 दिनों के बाद कोरोना कर्फ्यु में राहत देने से जहां जन-जीवन को राहत मिली तो जिन व्यवसाय पर प्रतिबंध जारी रखा। उन व्यापारी संगठनों ने प्रशासन के निर्णय के प्रति भेदभाव के आरोप लगाते हुए रोष प्रकट किया।

इन व्यवसाय को मिली छूट

जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश में किराना, आटा चक्की, चश्मा दुकान, कृषि उपयोगी सामग्री, उपार्जन केंद्र, कृषि उपज मंडी, भवन निर्माण सामग्री, ईट भट्टे, रेत-गिट्टी, तिरपाल-प्लास्टिक पन्नी, पेट्रोल पंप, एटीएम, सब्जी विक्रेता, दूध डेयरी, इलेंट्रीशियन, प्लम्बर, कारपेंटर, औद्योगिक इकाइयां व निर्माण कार्य मे छूट प्रदान की गई।

इन व्यवसाय पर प्रतिबंध

जिला प्रशासन द्वारा कपड़ा, जूता-चप्पल, स्टेशनरी, फर्नीचर, बर्तन दुकान, इलेक्ट्रॉनिक शोरूम, ऑटो मोबाइल शोरूम, सर्विस सेंटर, रेस्टोरेंट, हेयर सेलून, गिफ्ट हाउस, मोबाइल शॉप, नाश्ते की होटल व बसों के आवागमन के संचालन पर रोक लगाते हुए कोई राहत प्रदान नही किये जाने से इन व्यवसायियों में प्रशासन के निर्णय पर रोष व्याप्त है।

रेपिड एंटीजन टेस्ट कर कोरोना किट का किया वितरण

माही की गूंज, थांदला रोड़।

माँ पद्मावती इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज थांदला द्वारा प्रतिदिन आस-पास के क्षेत्र में जाकर लोगो को कोरोना के प्रति जागरूक कर स्क्रीनिंग व रेपिट एंटीजन टेस्ट किया जा रहा है। थांदला रोड़, नौगावा में देवल फलिया, परमार फलिया, बड़ा फलिया, उमरदा आदि फलियो में जाकर कोरोना एवं टीकाकरण को लेकर लोगो को जागरूक किया ओर इंस्टिट्यूट द्वारा स्क्रीनिंग, रेपिड एंटीजन टेस्ट कर कोरोना किट का वितरण किया गया, साथ ही सभी से स्वास्थ सम्बन्धी जानकारी ली। संस्था की ओर से गांव वालो को टीकाकरण की सलाह देने के साथ-साथ गांव के लोगो की सुरक्षा, बैंक में आए ग्राहकों की स्क्रीनिंग की व जरुरत अनुसार रेपिड टेस्ट भी किए। जिनमे संस्था की स्वेता भूरिया, बिंदिया बसोड़, पारी मईड़ा, सीमा कटारा, प्रियंका मुणिया, जयश्री मुणिया, विनीता चरपोटा, अगणेश मुनिया, ममता परमार, लीना गामड़, थावरी डामोर, अनीता मईड़ा आदि उपस्थित थे। साथ ही आशा कार्यकर्ता व आशा सहयोगी का भी

सहयोग मिला, जिसमे अनीता पाल, नर्मदा परमार, रंजीता चोपड़ा व मेघनगर स्वास्थ्य विभाग से डॉ. सोंडवानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। साथ ही संस्था के कोषाध्यक्ष संजय बारिया, कोरोना वालेंटियर आनंद देवल, आदित्य अमलियार व गांव के लालचंद देवल, कालूसिंह देवल, रवि देवल, रामला भूरा आदि ने विशेष रूप से सहयोग कर लोगो को जागरूक किया।

आकाश संघ ने बीएमओ को प्रदान की 51 मेडिकल किट

माही की गूंज, थांदला। मध्यप्रदेश आदिवासी अधिकारी कर्मचारी (आकाश) संघ ईकाई थांदला की और से 51 मेडिकल किट ब्लाक मेडिकल ऑफिसर अनिल राठौर को संघ के पारसिंग मुणिया व गुलाबसिंह निनामा द्वारा सोंपी गई।

श्री मुणिया ने बताया कि, संघ द्वारा पूरे प्रदेश में कोविड-19 महामारी के चलते गरीब आदिवासी भाइयों के लिए राशन, दवाइयां व मेडिकल किट की व्यवस्था हर गांव, फलिए में की गई है। साथ ही समझाईश देकर, मास्क का वितरण भी किया जा रहा है। शासन की गाईडलाइन के चलते सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए जांच व वेक्सिनेशन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बैंक परिसर में ही स्वास्थ विभाग की टीम द्वारा 3 बार बैंक में आने वाले खाता धारक किसान भाइयों का स्वास्थ्य परीक्षण करवा चुके है। मंगलवार को भी मेडिकल ऑफिसर अनिल राठौर, डॉ. असवाक मंसूरी, फर्मेसिस्ट संजय चांगोड़, टेक्नीशियन सुनील मईड़ा, शिवानी नलवाया द्वारा 102 खाता

धारक किसानों का परीक्षण कर जांच की एवं उचित परामर्श दिया व वेक्सिन के बारे में बताया।

एक ही रात में मंदिर सहित चार स्थानों पर हुई चोरी

शिक्षक के घर की गई चोरी।

माही की गूंज, थांदला।

जिले मे आई वैश्विक आपदा के बाद लगे कोरोना कर्फ्यू से उपजी बेरोजगारी का असर अब जिले में चोरियों के रूप में सामने आ रहा है। क्षेत्र में बीते एक सप्ताह में नगर सहीत परवलिया ओर अन्यत्र स्थानों पर एक के बाद एक चोरी की घटनाए सामने आ रही है।

जानकारी अनुसार रविवार-सोमवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने विवेकानंद कालोनी में शिव मंदिर और एक अध्यापक के सुने मकान में चोरी की। चोर शिव मंदिर के बाहर लगी केचि जाली का ताला तोड़ कर अंदर घुसे व मंदिर में रखी दो आलमारियों को खंगाला, आलमारियों में कुछ हाथ नही लगने पर मंदिर का दानपात्र ही उठा कर ले गए। चोरो ने मंदिर से थोड़ी दूर सुतरेटि साईड एक खेत मे दान पात्र तोड़ कर उसमें रखी दान राशि ले भागे। घटना की जानकारी सुबह मंदिर पुजारी हर्षद जब पूजन करने गए तो पता चली। पुजारी ने मंदिर व्यवस्था समिति प्रमुख नितिन भट्ट को अवगत करवाया, उसके बाद एसडीओपी एमएस गवली ओर टीआई अनिल बामनिया को सूचना दी। थाने से तीन पुलिसकर्मियों को भेज जानकारी जुटाई।

मंदिर व्यवस्थापक समिति के नितिन भट्ट ने बताया कि, मंदिर प्रांगण में ही पुलिस गश्त पाईंट बना हुआ है। यहां मंदिर समिति द्वारा रात्रि में गश्त पर आने वाले पुलिसकर्मियों के लिए बैठने, आराम करने सहित सभी व्यवस्थाए मंदिर द्वारा की जाती है। बीते दो दिनों से पुलिस गश्त करने नही आ रही।

वहीं विवेकानंद कॉलोनी में ही शिक्षक जयेंद्र तिवारी के सुने मकान में भी चोरो ने बाहर का ताला चटका कर घर मे घुसे ओर घर की अलमारी व अन्य सामान टटोला, यहां से एक मिट्टी की गुल्लक ले गए इसके अलावा और क्या ले गए यह शिक्षक के इंदौर से आने पर ही पता चलेगा।

मंदीर के दान पात्र से राशि चोरी कर खेत में फेक दिया।

इसी तरह चोरो ने रात्रि में सुतरेटि रोड पर एक गोदाम में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

बढ़ने लगी क्षेत्र में चोरियां

कोरोना कर्फ्यू के चलते जिले से बाहर गए आपराधिक किस्म के लोगो की भी जिले में वापसी हो गई है। इधर जिले में रोजगार के अभाव के चलते नगर सहित कस्बाई इलाको में चोरियां शुरू हो गई। बीते दिनों परवलिया से चोर घर के बाहर लॉक कर खड़ी की गई बाइक चोरी कर ले गए। इससे पूर्व में भी नगर में एकाधिक चोरिया हो चुकी है।

श्रृंगेश्वर धाम का पूर्णिमा पर लगने वाला मेला स्थगित

माही की गूंज, झकनावदा। जिले की प्रसिद्ध हृदय स्थली श्रृंगेश्वर महादेव धाम पर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष हजारों भक्तों का दर्शन तथा माही स्नान के लिए तांता लगता है। लेकिन इस वर्ष कोविड-19 संक्रमण के चलते प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार श्रृंगेश्वर धाम के गादीपति महंत रामेश्वर गिरी जी महाराज ने भक्तों से अपील की थी कि, पांच दिवसीय श्रृंगेश्वर महादेव प्रदर्शन स्नान प्रतिबंधित रहेगा। जिसके बाद भी यहां महादेव के भक्तों की आस्था उन्हें दर्शन लाभ लेने को मजबूर करती है। उसी को देखते हुए पेटलावद एसडीएम शिशिर गेमावत, एसडीओपी सुश्री सोनू डावर, पेटलावद टीआई संजय रावत, रायपुरिया थाना प्रभारी तेजमल पंवार और झकनावदा चौकी प्रभारी जीएस मावी अपने प्रशासनिक अमले के साथ 25 मई को श्रृंगेश्वर महादेव धाम पहुंचकर माही नदी एवं मंदिर का जायजा लिया ओर महंत रामेश्वर गिरी जी महाराज से चर्चा कर बताया कि,यहां किसी प्रकार से कोई भीड़-भाड़ एकत्रित न हो, आप भक्तों से अपील करें।

भ्रष्ट एपीओ और मनरेगा का कारनामा

कपिल धारा कूप स्वीकृति के लिए हितग्राही से मांगे दस हजार, सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

लापरवाही के मामले में एपीओ का हो चुका था ट्रांसफर, लेन-देन कर रुकवाया

माही की गूंज, बामनिया।

कोरोना संकट के बीच भ्रष्टाचार का खुला लाइसेंस लेकर सरकारी काम करने वाली जनपद पंचायत पेटलावद में मनरेगा के कार्यो में फिर से भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। यहां ये तो तय है कि, जनपद स्तर का कोई भी कार्य बिना लेन-देन के नही होता है और सीधे हितग्राही को मिलने वाली योजनाओं में भी कमीशनखोरी हो रही है। मजबूर हितग्राहियों द्वारा लेन-देन कर के ही कार्य स्वीकृत करने में भलाई समझी जाती है क्योंकि भ्रष्ट कर्मचारियों की जब तक सेवा पानी नही हो, तो हितग्राहि को मिलने वाली योजना के लाभ से वंचित कर दिया जाता है।

कपिलधारा कूप के लिए एपीओ मनरेगा ने की दस हजार की मांग

मनरेगा सहित अन्य सभी मदो से पंचायत को दी जाने वाली राशि सहित भुगतान और कार्य स्वीकृती में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों का कमीशन तय है, जिसके हाथ से योजना की फाइल गुजरने से लेकर भुगतान होता है। मनरेगा एपीओ जामसिंह मुणिया की लगातार भ्रष्टाचार संबधी शिकायतें ओर कार्य के प्रति लापरवाही सामने आ रही है। विकास खण्ड पेटलावद के ग्राम पंचायत अमरगढ़ के पिंटू भूरिया कपिलधारा योजना का लाभ लेने हेतु मंगलवार को जनपद पंचायत पहुँचा था, जहां उक्त योजना के लाभ के लिए एपीओ मनरेगा की स्वीकृति की आवश्यकता थी। लेकिन एपीओ ने उक्त योजना के लाभ से जोड़ने के लिए हितग्राही पिंटू भूरिया से 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की, लेकिन हितग्राही ने राशि देने से मनाकर दिया। एपीओ जामसिंह को जिस कार्य के लिए सरकार ने उसे नोकरी दी और हजारों रुपए का मासिक वेतन दिया जा रहा है वो करने से मनाकर दिया और जनपद में विवाद की स्थिति उतप्पन हो गई, जनपद में मौजूद कर्मचारी जमा हो गए। हितग्राही पिंटू भूरिया ने मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज करवाते हुए एपीओ जामसिंह मुनिया द्वारा दस हजार रुपए की मांग करने की शिकायत की। पिंटू भूरिया की शिकायत दर्ज हो चुकी हैं जिसका शिकायत क्रमांक 14229072 भी जारी किया गया।

ट्रांसफर होने के बाद भी टिका हुआ है एपीओ अब तक नही हुआ रिलीव

एपीओ मनरेगा जामसिंह मुणिया द्वारा किए कार्य के प्रति लापरवाही ओर भ्रष्टाचार की शिकायतो के बाद उसे हटाकर थांदला जनपद में पदस्थ किया गया था, लेकिन कुछ सरपंच-सचिव से मिलीभगत कर अधिकारियों पर ज्ञापन भेजकर दबाव बनवाकर अपने आपको अब तक रिलीव होने से बचा रखा है। जनपद में चर्चा है कि, मुणिया ने बड़े अधिकारियों के साथ लेन-देन कर अपने हुए थांदला ट्रांसफर को रुकवा लिया है।

मामले में जिला मनरेगा अधिकारी मनोज भारस्कर ने बताया कि, एपीओ जामसिंह मुणिया का स्थान्तरण हो गया है लेकिन उसे अब तक रिलीव नही किया है इसकी जानकारी लेता हूं।

शिकायत हुई है अब होगी सेटिंग

वैसे तो ज्यादातर मामलों में हितग्राही, पंचायत या पंचायत की आड़ में काम करने वाले फर्जी ठेकेदार सभी कमीशनखोरो की भेंट पूजा कर अपना काम निकलवा लेते हैं। लेकिन जहा मामला शिकायत तक पहुँचत है, तब जांच अधिकारी और जनपद के जिम्मेदार को शिकायतकर्ता के साथ बिठाकर समझौता करवाकर शिकायत वापस करवाकर निराकरण कर देते हैं और बिना लेन-देन के ही कार्य स्वीकृत करने के झूठे प्रभोलन में फंसा लेते हैं। लेकिन शिकायत हटने के बाद शिकायतकर्ता हितग्राही को परेशान किया जाता है।

शिकायतकर्ता पिंटू भूरिया ने बताया कि, मैं शिकायत वापस नही लुगा ओर एपीओ मनरेगा जामसिंह मुणिया द्वारा मांगी जा रही रिश्वत को पूरे प्रमाण के साथ प्रस्तुत करूंगा। इसके भी प्रमाण दूँगा कि, किस तरह हर कार्य के लिए जनपद में पैसे लेकर कार्य किया जाता है।

कोरोनाकाल में बेसहारा बच्चों की मदद हेतु महिला संघ की हुई बैठक

माही की गूंज, झाबुआ। कोरोना की दूसरी लहर ने कई परिवारों का जीवन अस्तव्यस्त कर दिया है ऐसे में कितने ही बच्चों के माता-पिता को कोरोना महामारी निगल गई। आज ऐसे इतने बच्चे हैं जिनकी देखभाल करने वाला भी कोई नहीं है। ऐसे में महिला संघ को एक महती जिम्मेदारी दी गई है कि वे ऐसे बच्चों की खोज करें, जो इस कोरोनाकाल में लावारिस हो गए हैं। ऐसे बच्चों को सहायता उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करें।

इसी लक्ष्य के मद्देनजर महिला संघ की विभाग प्रमुख अर्चना कर्नावट ने एक विभाग स्तरीय बैठक का आयोजन किया। जिसमें सभी जिला प्रमुखों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। झाबुआ से महिला संघ जिला प्रमुख डॉ.अर्चना राठौर अधिवक्ता, रतलाम से सुमित्रा अवतान तथा जावरा से सोनाली जैन ने इस बैठक में सहभागिता की। इसके अतिरिक्त स्नेहलता गुप्ता अधिवक्ता, बरोड़, चारु, मनजीत और अन्य महिला संघ पदाधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

राहत कार्य के लिए हुआ बैठक का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। कोविड 19 काल में राहत कार्य के हेतु मंगलवार को वनवासी कल्याण परिषद आश्रम में बैठक रखी गई। बैठक में सभी पल्स ऑक्सीमिटर, थर्मो और रजिस्टर दिए गए तथा निर्णय लिया कि प्रत्येक गांव में जाकर स्क्रीनिंग करना, टीकाकरण के लिए लोगों को जागरूक करना सुनिश्चित किया जाए। यह अभियान जिले के कुल 806 गांवों में चलाया जाएगा। साथ ही तीसरी लहर को लेकर बच्चों के माता-पिता को भी जागरूक करने को इस अभियान शामिल किया गया। बैठक में जिला संघसंचालन तथा आश्रम अध्यक्ष मानसिंह भूरिया, गनपत मुनिया, बालसिंह मसानिया, कांजी भूरिया, महेश मुजाल्दे, अलकेश मेड़ा, मजेसिंह टिकडी जोगी, चेतन देवड़ा आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

आपदा में लाभ उठाने वाले चिकित्सा बिरादरी करे आत्ममंथन

पहले ही कोरोना महामारी से हलकान मरीजों को निजी चिकित्सालयों में उलटे उस्तरे से मूंडने की खबरें विचलित करती हैं। खबरें विचलित करती हैं कि, क्यों ऐसे लोगों में मानवीय संवेदनाओं व नागरिक बोध का लोप हुआ है। लंबे-चौड़े बिल बनाना और दोहन के बाद बड़े सरकारी अस्पतालों के लिए रैफर कर देना आम है। ऐसे तमाम मामले सामने आए हैं, जिनमें मनमानी फीस उपचार हेतु वसूली गई। चिंता की बात यह है कि,

इलाज की रेट लिस्ट लगाने के बावजूद मोटी फीस मरीजों से वसूले जाने की खबरें मीडिया में सुर्खियां बनती रही हैं। दरअसल, जनसंख्या के बोझ और तंत्र की अकर्मण्यता से वेंटिलेटर पर गए सरकारी अस्पतालों से निराश लोग निजी अस्पतालों की ओर उन्मुख होते हैं। सरकारी अस्पताल सामान्य दिनों में ही रोगियों को उपचार देने में हांपते रहते हैं तो आपदा में उनसे उम्मीद करना कि वहां पर्याप्त इलाज मिल जाएगा, बेमानी ही है। ऐसे में ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी और कोरोना के गंभीर मरीजों की वेंटिलेटर की जरूरत के चलते निजी अस्पतालों की पौ-बारह हुई। लॉकडाउन और कई तरह की बंदिशों तथा कोरोना संकट से उपजे हालात में तमाम व्यवसायों व रोजगारों में भले ही आय का संकुचन हो, मगर देश का फार्मा उद्योग, जांच करने वाली लैब व निजी अस्पताल दोनों हाथों से कमाई कर रहे हैं। कुछ मामलों में शिकायतकर्ता सामने भी आए हैं और कुछ निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई है। लेकिन यह कार्रवाई न के बराबर है।

हरियाणा-पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री उद्घोष करते रहे हैं कि, मरीजों को लूटने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। होगी के क्या मायने हैं, होती क्यों नहीं है? कोई सरकार अस्पतालों की मनमानी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करती। महज इसलिए कि, ये अस्पताल धनाढ्य व राजनेताओं के वरद्हस्त प्राप्त लोगों के हैं। कई तरह के इंस्पेक्टर जो इनकी निगरानी के लिए तैनात होते हैं, वे क्यों जिम्मेदारी नहीं निभाते? क्यों स्थानीय प्रशासन स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करता? क्यों उनकी नींद भी अदालत की सक्रियता के बाद खुलती है? यह निजी चिकित्सालयों के मालिकों के लिए भी आत्ममंथन का समय है।

चिकित्सा का पेशा कभी कारोबार नहीं हो सकता। आज भी लोग डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप मानते हैं। ऐसे में जब लोग महामारी से टूट चुके हैं, आय के स्रोत संकुचित हुए हैं, लाखों के इलाज का खर्च आम आदमी कहां से उठा पाएगा? इस संकट के दौरान तमाम लोगों द्वारा घर-जमीन व जेवर गिरवी रखने के मामले सामने आते रहे हैं। कई लोग बैंकों से लोन लेकर अपनों को बचाने की जद्दोजहद में जुटे हैं।

सर्वे बताते हैं कि, देश में करोड़ों लोग कई गंभीर बीमारियों से अपनों का इलाज कराने की कोशिश में हर साल गरीबी के दलदल में डूब जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि, पूरे देश में विभिन्न रोगों के उपचार, बेड, जांच व टेस्ट के दामों के मानक तय हों। सत्ताधीशों की नाकामी है कि, वे जनता का दोहन करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते। उन्हें फलने-फूलने का अवसर देते हैं। जबकि बड़े अस्पतालों को जमीन व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सरकार की भूमिका होती है। अस्पतालों का मुनाफा नियंत्रित होना चाहिए, खासकर आपदा के वक्त। जब निजी अस्पताल नागरिक बोध और मानवीय संवेदनाओं का ध्यान नहीं रखते तो उन्हें कानून की भाषा में समझाया जाना चाहिए। सरकारी अस्पतालों को भी इस लायक बनाने की जरूरत है कि, लोग प्राइवेट अस्पतालों की मुनाफाखोरी से बच सकें। निःसंदेह, एक डॉक्टर पढ़ाई से लेकर एक अस्पताल बनाने में बड़ी पूंजी का निवेश करता है, जिसका मुनाफा भी वह चाहता है, लेकिन ये मुनाफा अनियंत्रित न हो। आपदा को लाभ में बदलना मानवीयता का धर्म तो नहीं है। इस बाबत् देशव्यापी हेल्पलाइन व्यवस्था हो। न्यायालय की परिधि में आने वाले मामलों का निस्तारण भी समय रहते हो ताकि कानून का डर भी बना रहे। वह भी ऐसे दौर में जब मानवता महामारी के संकट में कराह रही हो। इनके लिए एक आचार संहिता भी लागू होनी चाहिए।

आपदा को अवसर नहीं बना पाए हम

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

जब कोविड नहीं था, तब बहुत कुछ बहुत अच्छा था। ऐसा हम बहुत सी चीजों के बारे में या शायद सभी चीजों के बारे में कह सकते हैं। लेकिन निश्चित और निर्विवाद तौर पर वैक्सीन बाजार के बारे में तो यह कहा ही जा सकता है। तब तक इस बाजार में हम सबसे आगे थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2019 के आंकड़ों को देखें, तो दुनिया के वैक्सीन बाजार में 28 फीसदी हिस्सेदारी अकेले भारत की कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की थी। पता नहीं, बात कितनी सच है, लेकिन यह अक्सर सुनाई देती थी कि पूरी दुनिया का 12 साल का कोई भी बच्चा जिसका पूर्ण टीकाकरण हुआ हो, उसे अपने पूरे जीवन में कभी न कभी सीरम इंस्टीट्यूट का एक टीका तो लगा ही होगा। यानी, वैक्सीन के मामले में इस तरह के नैरेटिव हमारे गौरव-बोध को थपथपाने के लिए मौजूद थे। वैसे सीरम इंस्टीट्यूट के अलावा देश की कई और कंपनियां भी वैक्सीन बनाने और निर्यात करने का काम करती हैं। अगर इन सभी को जोड़ दिया जाए, तो दुनिया के वैक्सीन बाजार में भारत की हिस्सेदारी एक तिहाई से कहीं ज्यादा थी।

बात सिर्फ 2019 के आंकड़ों की नहीं है। 2020 के अंत तक यही माना जा रहा था कि, कोरोना वायरस से लड़ाई में भारत बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। दिसंबर में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने यहां तक कहा था कि, वैक्सीन की जो उत्पादन-क्षमता भारत के पास है, वह दुनिया की एक महत्वपूर्ण संपदा साबित होने वाली है। इन्हीं सबसे उत्साहित होकर भारत ने अपने जनसंपर्क को बढ़ाने का फैसला किया और दिसंबर की शुरुआत में सभी देशों के राजदूतों को एक साथ बुलाकर वैक्सीन की प्रयोगशालाओं व उत्पादन इकाइयों का दौरा करवाया। इस दौरे के बाद ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के राजदूतों ने भारत की वैक्सीन उत्पादन-क्षमता के लिए कई कसीदे भी गढ़े थे। हम इस बात को लेकर खुश थे कि भारत में स्वास्थ्य सुविधाएं लचर हो सकती हैं, अस्पताल, मरीजों के लिए बिस्तर व स्वास्थ्यकर्मी कम पड़ सकते हैं, वेंटिलेटर का अकाल हो सकता है, ऑक्सीजन जरूरत से काफी कम पड़ सकती है, बहुत सी दवाओं की कमी से उनकी कालाबाजारी हो सकती है, पर वैक्सीन के मामले में हम आत्मनिर्भर हैं और कुछ

न हो, मगर कोविड को मात देने वाला असली ब्रह्मास्त्र तो हमारे पास है ही। साल 2021 के शुरुआती हफ्तों तक यही लग रहा था कि भारत नए झंडे गाड़ने जा रहा है। पहले चरण में सिर्फ स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगने थे। जितने टीके लग रहे थे, उससे ज्यादा वैक्सीन उत्पादन की खबरें आ रही थीं। कुछ विश्लेषक तो यह भी कह रहे थे कि भारत के स्वास्थ्य तंत्र के पास टीकाकरण की जो क्षमता है, भारत की वैक्सीन उत्पादन क्षमता से वह कहीं कम है, इसलिए भारत के पास हमेशा वैक्सीन का सरप्लस स्टॉक रहेगा। शायद इसी तर्क के चलते भारत ने टीकों का निर्यात भी किया, जो इन दिनों काफी बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है। विदेश नीति के बहुत से टीकाकारों ने इस निर्यात को 'वैक्सीन डिप्लोमेसी' बताते हुए इसकी तारीफों के पुल भी बांधे थे।

लेकिन अप्रैल आते-आते ऐसा क्या हुआ कि सारा शीराजा बिखर गया? एक तो उम्र के हिसाब से टीकाकरण की योग्यता को लगातार विस्तार दिया जाने लगा। फिर इसी बीच कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आई, जो पहले से कहीं ज्यादा भयावह और संक्रामक थी। लोगों को लगा कि टीकाकरण जल्दी होना चाहिए और वैक्सीनेशन सेंटरों के बाहर भीड़ बढ़ने लगी। सरकारी व निजी अस्पतालों ने टीकाकरण की अपनी क्षमता को बढ़ा दिया, कुछ जगह तो चौबीस घंटे टीकाकरण की सुविधा दे दी गई। जब यह स्थिति आई, तब पता चला कि टीके कम पड़ रहे हैं। सभी राज्यों से टीकों का स्टॉक खत्म होने की खबरें आने लगीं। लेकिन बात क्या सिर्फ इतनी थी? शायद नहीं। तमाम आंकड़े बता रहे हैं कि वैक्सीन उत्पादन का दुनिया का सबसे अग्रणी देश भारत कोविड वैक्सीन के मामले में मात खा गया। पता चला कि दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन उत्पादक कंपनी बिल गेट्स फाउंडेशन से 30 करोड़ डॉलर की मदद लेने के बावजूद अभी तक कोविड वैक्सीन की सिर्फ छह करोड़ खुराक बना पाई है। सीरम इंस्टीट्यूट का कहना है कि, भारत सरकार ने इतने का ही ऑर्डर दिया था। यह सच है कि इसके पहले सीरम कभी भारत सरकार के ऑर्डर की मोहताज नहीं रही, वह अपनी वैक्सीन पूरी दुनिया को बेचती रही, पर इस बार तमाम बैंड, बाजा, बारात के बावजूद उसने सेहरा अपने माथे पर सजाने का मौका गंवा दिया। इसकी तुलना अगर हम दुनिया की दूसरी कंपनियों से करें, तो तस्वीर कुछ और दिखाई देती है। फाइजर दुनिया की एक महत्वपूर्ण और बहुत बड़ी दवा निर्माता कंपनी है, लेकिन वैक्सीन के बाजार में उसकी कोई बहुत बड़ी हिस्सेदारी हाल-फिलहाल में नहीं रही। उसने अब दुनिया भर के देशों से 52 करोड़ वैक्सीन डोज निर्यात करने का समझौता कर लिया है, जिसे वह जल्द ही अमली जामा पहनाने की बात भी कर रही है। कंपनी का दावा है कि, इस साल के आखिर तक वह 1.3 अरब वैक्सीन डोज का उत्पादन कर लेगी। स्पूतनिक-वी नाम की वैक्सीन बनाने वाली रूस की कंपनी के दावे भी ऐसे ही हैं। चीन तो कई बार इससे भी बड़े दावे कर चुका है। अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना का दवा व वैक्सीन उद्योग में इसके पहले तक कोई अनुभव नहीं था, पर अब वह अमेरिका की सबसे अग्रणी वैक्सीन उत्पादक कंपनी बन चुकी है, जबकि यहां भारत में सबसे अनुभवी कंपनी बेबस दिखाई दे रही है। जिस समय भारत की कामयाबी के हर तरफ चर्चे होने चाहिए थे, उस समय पूरी दुनिया भारत पर तरस खा रही है। और भारत की राज्य सरकारें झोला उठाकर वैक्सीन की खरीदारी के लिए भटकने को मजबूर हैं। इस संकट ने यह भी बता दिया कि भारत की जिन कंपनियों को हम अभी तक दुनिया में सबसे आगे मानते थे, वे दरअसल ऑर्डर मिलने पर उत्पादन करने वाली फैक्टरियां भर हैं। ऐसे उद्योगों से भला यह उम्मीद कैसे की जाए कि वे आपदा को अवसर में बदल सकेंगी?

अमरीकी सरकार में भारतीय मूल के लोगों का बढ़ता वर्चस्व !

अशोक भाटिया

अमेरिका की बाइडेन सरकार में भारतीय मूल के लोगों को बहुत ही ज्यादा उचित स्थान मिला है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति बनी कमला हैरिस भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक हैं। अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में पहले ही बड़ी संख्या में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को उनकी जिम्मेदारियां दे दी गई थी। भारतीय मूल के अमेरिकी विवेक मूर्ति को देश का सर्जन जनरल बनाया गया। उजरा जेया, माला अडिगा, गरिमा वर्मा, वनिता गुप्ता, सबरीना सिंह, आइशा शाह, भरत राममूर्ति, समीरा फजिली, गौतम राघवन, विनय रैड्डी, तरुण छाबड़ा, सुमोना गुहा, शांति कलाथिला, वेदांत पटेल, सोनिया अग्रवाल, विदुर शर्मा, रीमा शाह और नेहा गुप्ता बाइडेन प्रशासन में महत्वपूर्ण पद संभाले हुए हैं। अमेरिका में अमेरिकी भारतीय की कुल आबादी का महज एक फीसद हैं। इस हिसाब से अमेरिकी भारतीयों को खास जगह मिली। यह भारत के लिए गौरव की बात है।

अब भारतीय भारतीय अमेरिकी नीरा टंडन की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की वरिष्ठ सलाहकार के तौर पर नियुक्ति भारत के लिए गौरव की बात है। नीरा ने इससे दो महीने पहले ही रिपब्लिकन सीनेटरों के कड़े विरोध के कारण व्हाइट हाउस प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के निदेशक के पद के लिए अपना नामांकन वापिस ले लिया था। राजनीति में विरोध और समर्थन चलता रहता है। नीरा टंडन पहले भी अमेरिका स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्रालय में स्वास्थ्य सुधारों की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अफोर्डेबल केयर एक्ट के कुछ विशेष प्रावधानों पर कांग्रेस और हित धारकों के साथ मिलकर काम किया था। वह ओबामा-बाइडेन की राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रचार मुहिम की घरेलू नीति की निदेशक भी रही, जहां उन्होंने सभी घरेलू नीति प्रस्तावों का प्रबंधन किया। उन्होंने देश की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन की राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रचार मुहिम की नीति निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में व्हाइट हाउस में घरेलू नीति की सहायक निदेशक और प्रथम महिला की वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में करियर शुरू किया था।

नीरा टंडन के माता-पिता का संबंध भारत से था लेकिन उनके बीच तलाक के बाद नीरा को उनकी मां-मामा ने पाला। उनकी मां सरकारी भोजन और निवास के सहयोग वाले प्रोग्राम पर निर्भर थी। इस तरह नीरा टंडन पली-बढ़ी। माता-पिता के तलाक के वक्त नीरा 5 वर्ष की थी। बाद में उनकी मां ने एक ट्रेवल एजेंट की नौकरी की और अपनी बच्ची को पढ़ाया। नीरा ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से बीएससी और येल लॉ स्कूल से कानून की डिग्री हासिल की। नीरा टंडन काफी अनुभवी हैं। उसकी बुद्धिमता, मेहनत और राजनीतिक दृष्टिकोण बाइडेन प्रशासन के लिए काफी अहम साबित होगा, वह एक विशेषज्ञ है। कोरोना महामारी और अन्य विषयों पर उनकी सलाह बाइडेन के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन नीरा टंडन के अनुभव, कौशल और विचारों का बहुत सम्मान करते हैं तभी तो उन्होंने प्रबंधन एवं बजट कार्यालय का नेतृत्व करने के लिए उसे ही चुना था लेकिन नीरा द्वारा सोशल मीडिया पर की गई पहले की कई विवादित पोस्ट के कारण डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक सीनेटरों की ओर से कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। तब नीरा ने अपना नामांकन वापिस ले लिया। बाइडेन चाहते थे कि, नीरा उनके प्रशासन का हिस्सा बने। उन्होंने नीरा को सलाहकार नियुक्त कर दिया। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा बढ़ा है, इस बात को जो बाइडेन ने भी स्वीकार किया है।

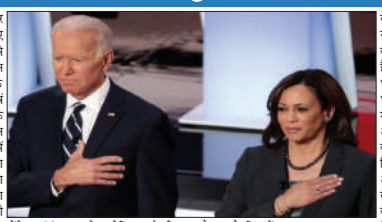

भारतीय मूल के लोग कहीं भी रहे, उन्होंने वहां की संस्कृति और संविधान को स्वीकार कर वहां की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ब्रिटेन हो, कनाडा हो या कोई भी अन्य देश, वहां के प्रशासन में, राजनीति में अप्रवासी भारतीयों की भूमिका है। खास बात यह है कि, विदेश में रहते हुए भी वे भारतीय जड़ों से जुड़े हुए हैं। भारतीय संस्कृति और संस्कारों में उनकी आस्था है। जब भी वे अपने गांव आते हैं, बहुत कुछ करके जाते हैं। किसी ने स्कूल, किसी ने कॉलेज के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन दान में दी, किसी ने गांव में कम्प्यूटर केन्द्र बनाए। किसी ने सामुदायिक भवन बनाकर पंचायतों को समर्पित किए। भारतीयों ने हमेशा अपने बुद्धि कौशल और मेहनत के बल पर प्रगति की। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि, भारतीय अमेरिकी भव्यलाल को नासा का कार्यकारी प्रमुख बनाया गया। सोनाली निझावन को सरकारी संगठन अमेरीकार्प्स का निदेशक, पी. कुलकर्णी को विदेशी मालमों का प्रमुख और रोहित चोपड़ा को कंज्यूमर फाइनैंशियल प्रोटेक्शन ब्यूरो के प्रमुख पद के लिए नामित किया गया है। अमेरिकी सरकार में भारतवंशी छाए हुए हैं।

चाणक्य नीति

व्यक्ति को आने वाली मुसीबतो से निबटने के लिए धन संचय करना चाहिए। उसे धन.सम्पदा त्यागकर भी पत्नी की सुरक्षा करनी चाहिए। लेकिन यदि आत्मा की सुरक्षा की बात आती है तो उसे धन और पत्नी दोनो को तुच्छ समझना चाहिए।

काम की बात

समय और शब्द दोनों का उपयोग लापरवाही के साथ न करें। क्योंकि ये दोनों दुबारा न आते है न मौका देते है।

एक सलाह

सपने और लक्ष्य में एक ही अंतर है सपने के लिए बिना मेहनत की नीद चाहिए और लक्ष्य के लिए बिना नीद की मेहनत।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर विशेष: अतदीपो भव

वीरेन्द्रसिंह परिहार

भगवान बुद्ध ने अपने जमाने में जिन लोगों को देखा था। उनमें एक तो वे लोग थे, जो आत्मा को नित्य और शाश्वत मानते थे और संसार को अनित्य, क्षणभंगुर तथा दुःख रुप मानकर कठोर तप करते थे। क्योंकि उनका मानना होता था कि, इस तरह से वह कष्टरुपी संसार को पारकर एक स्थायी आनन्द के अधिकारी होंगे। दूसरे प्रकार के लोग चार्वाक नीति के अनुसार खाओ-पिओ, मौज करो यही मानते थे। मरने के बाद क्या होगा, कौन जानता है? वस्तुतः ये दोनो जीवन दर्शन ही अतिवादी थे। बुद्ध ने इन दोनो अतियों अथवा अन्तों से बचने की सलाह देते हुए मध्यम मार्ग को प्रतिष्ठित किया था। वस्तुतः बुद्ध का मार्ग एक संतुलित जीवन का पक्षधर है। बुद्ध का मानना है कि, जो लोग शरीर को नाना प्रकार का कष्ट देकर ही आध्यात्मिक सुख मानते है, वे वस्तुतः शरीर को ही महत्व देते है और जो लोग शरीर के सुख में ही लीन रहते है वे तो जड़ शरीर को ही सब कुछ मानते है। बुद्ध कहते थे कि, वीणा के तारों को इतना मत कसो की वों टूट जाए और न इतना ढीला छोड़ दो कि उनसे कोई सुर ही न निकले। कहने का आशय यह कि, शरीर को अत्याधिक प्रताड़ना यह शरीर को अत्याधिक सुख भोग दोनो ही अभीष्ट नही है। इसीलिए तो बुद्ध मध्यम वर्ग या संतुलित मार्ग की बात करते है। गीता में भी भगवान कृष्ण ने कहा है, जिसका आहार-विहार नियमित है, कर्मों का आचरण नपा तुला है, नींद और जागरण परिमित है, उसी के लिए योग दुःख-नाशक हो सकता है। वस्तुतः यह भी मध्यम या संतुलित दृष्टि ही है, जिसका विकास आगे चलकर बुद्ध के दर्शन में देखने को मिला। बुद्ध ने कभी यह नही कहा कि, मै जो कहता हूं उसे मान लो। वह कहते थे, संसार के स्वरुप की जानकारी प्राप्त करो। रोग को जानो, रोग के कारण को जानो, रोग के कारण के उच्छेद का उपाय करो। अपनी मशाल खुद बनो ''अतदीपो भव''।

बुद्ध की सोच निहायत ही क्रान्तिकारी एवं लोकतांत्रिक थी। वह कहते थे, भिक्षुओं मैं तुम्हारा आव्हान करता हूं, यदि मुझे में, मेरे वचन और कर्म में कोई त्रुटि देखते हो तो मुझसे कहो। उनकी यह बाते राजा राम की उन बातों की याद दिलाती है जो अनीति कुछ भाषौ काई, तो मोंहि बरजहु भय बिसराई। वे कहते थे, तथागत ऐसा नही मानते कि वे ही भिक्षुओं का पथ-प्रदर्शन कर सकते है अथवा संघ उनके ऊपर ही निर्भर है। फिर संघ के विषय में किसी प्रकार के निर्देश छोड़ने की क्या आवश्यकता है। बुद्ध की शरण में जाने के बजाए वह धर्म की अथवा सत्य की शरण में जाने को प्राथमिकता देते थे, तभी उन्होने आनन्द से कहा था, सत्य को दीपक की भांति दृढ़ता से पकड़े रहो, सत्य की शरण लिए रहो। अपने से बाहर किसी से शरण की आशा न करो। इसीलिए जब उनकी पूजा के लिए स्मारक बनाने की बात उठी। तब उन्होने कहा था, तथागत की शरीर-पूजा में तुम अपने कार्य में बाधा न उत्पन्न करो। जो भिक्षु या भिक्षुणी उपासक या उपासिका बड़े-छोटे धर्मों का ठीक निर्वाह करता हुआ (धम्मानुधम्म परिपत्रो) समोचीन जीवन में लगा है। जो शिक्षाओं का पालन करता है। वही तथागत का सत्कार करता, गौरव करता, मान करता और परम-पूजा से पूजित करता है। एक बार उनके एक प्रमुख शिष्य सारिपुत्र मौगदाल्यन ने कहा, आपसे बढ़कर ज्ञानी और महान न पहले कोई हुआ न आगे कभी होगा, और न इस समय है। बुद्ध ने कहा, अवश्य सारिपुत्र तुम भूतकाल के सभी बुद्धों को जान गए हो? नही भगवन, सारिपुत्र ने कहा। तुम उन्हे

जानते हो जो भविष्य में होंगे? नही भगवन ! तो कम से कम तुम मुझे जानते हो और मेरे मन की भलीभांति थाह ले चुके हो? वह भी नही भगवन। तो सारिपुत्र तुम्हारे शब्द इतने भब्य और साहसपूर्ण क्यों?

कुल मिलाकर इस तरह से बुद्ध का दृष्टिकोण जहां व्यक्ति-पूजा के एकदम विरुद्ध था, वही वह अपने शिष्यों से यह अपेक्षा करते थे कि, उनकी अपनी सोच हो, दृष्टि हो, वह लकीर के फकीर न हो, बल्कि वह सत्य का मार्ग स्वतरू शोधन करे। वह कहते थे, मै चमत्कारो के प्रदर्शन को भयावह समझता हूं, इसलिए मै उन्हे बिलकुल पसन्द नही करता, उन्हे घृणा की दृष्टि से देखता हूं और उनकी बात से मुझे लज्जा आती है। यह बताने की जरुरत नही कि, चमत्कारों और हाथ की कलाबाजी के चलते हमारा भारतीय समाज कितना दिग्भ्रमित होकर पतन की ओर गया है।

बहुत विचार के बाद बुद्ध ने यह बताया कि, तृष्णा और कामना सब दुखो का मूल है, उसी के कारण प्राण बार-बार जन्म और मृत्यु के चक्कर में पड़ता है। इससे आत्यंतिक निवृत्ति तभी हो सकती है, जब तृष्णा का क्षय हो जाए। वह मानते थे कि ब्रह्म या आत्मा की नित्यता या अनित्यता की चर्चा करते रहने से यह उद्देश्य सिद्ध नही होता। इसके लिए आवश्यक है सम्यक जीवन, विवेक सहित रहना, शील का पालन, मैत्री का आचरण। इस तरह से बुद्ध ने कर्मकाण्डो की जगह पवित्र जीवन पर ही अधिक जोर दिया है। भगवान बुद्ध ने कहा कि, वही सुखी है जो जय-पराजय की भावना का त्याग करता है। वजह यह कि, जय की भावना से बैर उत्पन्न होता है, पराजय से दुःख उत्पन्न होता है। उनका मानना था, अक्रोध के द्वारा क्रोध को, साधुता के द्वारा असाधु भाव को, दान के द्वारा कदर्प और सत्य के द्वारा मृषावाद या झूंठ को जीतना चाहिए। उनके अनुसार जिसका किसी से बैर नही है और जो सभी प्राणियों से मैत्री करता है वही सुखी होता है।

बहुत से लोग यह साबित करने का प्रयास करते है, कि बुद्ध का मार्ग सनातन धर्म के विरुद्ध था, जबकि ऐसा नही है। वस्तुतः बुद्ध ने उस दौर में वैदिक धर्म में खासतौर से यज्ञो में आई अति हिंसा के चलते यज्ञों का विरोध किया था। उनका मार्ग भी हिन्दुत्व की धारा का ही विकास है। प्रकारान्तर से उन्होने हिन्दुत्व में आई विकृतियों को दूर करने का प्रयास किया था। उनका मध्यम मार्ग एक तरह से गीता का योग मार्ग ही है, जैसा कि पहले बताया जा चुका है। बुद्ध ने कहा था, श्वसन क्रिया के प्रति सचेत रहे, यही गीता भी कहती है। बुद्ध ने स्वतः कहा था आज मैने उस अविनाशी पद को प्राप्त कर लिया है जो मुझसे पूर्व ऋषियों ने प्राप्त किया है। इसलिए यह कहने में कोई झिझक नही कि, वह हिन्दुत्व की ऋषि परंपरा के ही वाहक थे। वस्तुतः बुद्ध ने हिन्दुत्व में आई कमियों को दूर करने के लिए एक ऊंच-नीच और भेदभाव से परे एक समतायुक्त समाज के लिए उद्घोष किया था। यह बात अलग है कि, आगे चलकर उनके पंथ में इतनी विकृतियां आई कि पंच-मकार ही अभीष्ट हो गया। जिसके चलते आदि शंकराचार्य को इस देश में बौद्ध मत का उच्छेदन करना पड़ा।

आज से ढाई हजार साल पहले बुद्ध ने जिस मध्यम मार्ग के माध्यम से एक संतुलित, पूर्ण एवं वैज्ञानिक मार्ग बताया। एक श्रेष्ठ जीवन और मैत्री भाव को जागृत किया, उससे आगे चलकर आधी दुनिया उनके प्रभाव में आ गई। आज, वैशाखी पूर्णिमा के दिन हम उस महामानव के चरणो में शत-शत प्रणाम।

कमलनाथ के विरूद्ध जिले में चला ज्ञापन का सिलसिला, कांग्रेस ने दिया धरना तो हुई कार्यवाही

माही की गूंज, मंदसौर।

भाजपा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बयान को देश विरोधी बताते हुए जिलेभर में कमलनाथ का पुतला दहन किया। साथ ही संबंधित थाने पर ज्ञापन सौंपकर कमलनाथ के विरूद्ध प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई।

मंदसौर में घंटाघर पर किए गए पुतला दहन में भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हितेश शुक्ला, दक्षिण मंडल अध्यक्ष अजय आसेरी सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे। दक्षिण भाजपा मंडल ने कोतवाली पर ज्ञापन सौंपा। वहीं उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत ने वायडी नगर थाने पर ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया कि, कमलनाथ अपने बयानों के माध्यम से भारत का अपमान कर रहे हैं बल्कि गलत आंकड़ों और सूचनाओं के द्वारा रोगियों, उनके परिजनों एवं जनता में दहशत फैलाने का कृत्य कर रहे हैं। बिना किसी प्रमाण के कोरोना के इंडियन वेरिएंट कहकर देश-दुनिया में भारत का अपमान किया और विदेश में रह रहे भारतवंशियों की सुरक्षा और सम्मान को चुनौती खड़ी की है।

भानपुरा

कमलनाथ द्वारा लगातार दिए जा रहे देश विरोधियों बयानों के विरोध में भानपुरा भाजपा मंडल द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग के साथ भानपुरा थाना पर पहुंच ज्ञापन दिया गया। कमलनाथ द्वारा इंडिया कोविड वायरस जैसे शब्दों का उपयोग किया गया जो कि, देश विरोधी श्रेणी के बयान है। अपने कार्यकर्ताओं की बैठक में उन्होंने आग लगाओ, दंगे भड़काने और देश प्रदेश की शांति भंग करने वाले भाषण दिए। भानपुरा थाने पर भानपुरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक मालविया कार्यकर्ताओं के साथ ज्ञापन दिया, जिसमें पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय तिवारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सौदान सिंह गुर्जर, पार्षद रियाज कुरेशी, लोकेश जांगड़े आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शामगढ़

यहां भी भाजपाइयों ने कमलनाथ के पुतले का दहन किया। साथ ही थाने पर कमलनाथ के खिलाफप्रकरण दर्ज करने का आवेदन सौंपा। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष बलवंतसिंह पंवार, महामंत्री ईश्वर तंवर, नीलू खत्री, महेश सेठिया, राहुल मुजावदिया, विशाल शर्मा, जितेंद्र प्रजापति, सचिन परिहार, मनोज जैन मौजूद थे।

सीतामऊ

भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार पोरवाल एवं ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश परमार ने कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस थाने में आवेदन देकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफप्रकरण दर्ज करने की मांग की है। इसमें आरोप लगाया कि, पूर्व मुख्यमंत्री आधारहीन बयानबाजी कर भारत को अपमानित कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने पर कांग्रेस ने किया विरोध

वही नारायणगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफप्रकरण दर्ज करने के विरोध में ब्लाक कांग्रेस द्वारा मंगलवार को गांधी चौराहे पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान कोरोना की पहली एवं दूसरी लहर में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। प्रदेश की जनता अस्पताल, बेड, ऑक्सीजन एवं दवाइयों के अभाव में तिल-तिल कर मर गई, किंतु प्रदेश के मुखिया मोनी बाबा बनकर सब कुछ देखते रहे।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

कांग्रेस द्वारा बिना अनुमति किए गए धरना प्रदर्शन को लेकर नारायणगढ़ पुलिस द्वारा ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा सहित 19 कांग्रेसियों पर कोरोना कर्फ्यू के नियमो का उल्लंघन करने पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

कोरोना के डर ने अपनों को भी कर दिया पराया...

मरने के बाद अपनों ने छोड़ा साथ, पुलिस ने आगे बढ़ाया हाथ, कंधा देकर किया अंतिम संस्कार

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के कालुखेडा थाना क्षेत्र के रणायरा गांव में मंगलवार को पुलिस ने मानवता की मिसाल पेश की। 62 वर्षीय कंवरलाल पाटीदार की मौत के बाद कोरोना के भय से परिजन उसकी अंत्येष्टि करने से पीछे हट गए। घर में कई घंटे तक शव पड़ा रहा लेकिन परिवार के लोगो ने भी दूरी बना ली। दहशत ऐसी कि, गांव के लोग भी मदद के लिए आगे नही आए, जबकि युवक की कोरोना संक्रमण की जांच नहीं हुई थी। गांव के सरपंच द्वारा कालुखेडा पुलिस को सूचना दी तो कालुखेडा पुलिस तुरन्त गांव मे पहुँची जहां पर सीएचओ कमला मिणा ने पुलीस को पीपीई किट उपलब्ध करवाई, जिसे पहनकर शव को कंधा देकर श्मशान घाट पहुंचाया और कोरोना प्रोटोकॉल के हिसाब से विधी-विधान से अंतिम सस्कार किया।

कालुखेड थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया, शाम को गांव के सरपंच द्वारा सूचना दी गई थी कि 62 वर्षीय युवक की मौत हो गई परिजन द्वारा उसका अंतिम संस्कार नही किया जा रहा है, तत्काल थाने का स्टाफभेजा और कोरिना प्रोटोकॉल के हिसाब से विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें चौकी प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी, उनि जीएस चन्द्रावत, आरक्षक राजेश पटेल, होकम सिंह, लक्ष्मण नागदा, रविंद सिंह चौहान द्वारा विधि-विधान से अंतिम संस्कार करवाया गया। जहां मृतक के अपनो ने कोरोना के डर से अपनो ने साथ छोड़ दिया था वहीं थाना प्रभारी और स्टाफ ने मानवता का परिचय दिया, जिसकी पूरे क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है।

कम हुई कोरोना की रफ्तार, ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर सर्वे जरूरी

माही की गूंज, भानपुरा।

विगत 1 अप्रैल से लेकर 23 मई तक तहसील भानपुरा की 44 ग्राम पंचायतों और नगर मुख्यालय भानपुरा में शासकीय रिकॉर्ड के अनुसार कुल 718 लोग कोरोना संक्रमण के शिकार हुए। जहां पंचायत क्षेत्रों में 437 लोग कोरोना के शिकार हुए, वही 373 लोगो ने कोरोना को मात दी व वर्तमान में 64 और लोग कोरोना पॉजिटिव बचे हैं। वही भैसोदा नवनिर्मित नगर परिषद में 44 में से 36 ने कोरोना को हराया 8 जने अभी कोरोना संक्रमित हैं, व नगर भानपुरा मुख्यालय पर 237 में से 168 ठीक होकर स्वस्थ हो चुके हैं 69 लोग वर्तमान में कोरोना संक्रमित हैं। यदि हम नगर भानपुरा की बात करें तो, यहां स्थित कुल 15 वार्ड में से 6 वार्डों में से क्रमशः वार्ड नंबर 1 में 18, वार्ड नंबर 2 में 15, वार्ड नंबर 3 में 8, वार्ड नंबर 12 में 9, वार्ड नंबर 13 में 4 तथा वार्ड नंबर 15 में 8 कुल 62 लोग कोरोना पॉजिटिव है। वहीं शेष 5 वार्डों में क्रमशः वार्ड नंबर 5 में 1, वार्ड नंबर 6 में 2, वार्ड नंबर 7 में 1, वार्ड नंबर 8 में 1, वार्ड नंबर 10 में 2 इस तरह से कुल 7 लोग कोरोना पॉजिटिव है। वही वार्ड नंबर 4, 9, 11 व 14 ने कोरोना से पूरी तरह से जंग जीत ली है। इन 4 वार्डों में एक भी कोरोना पॉजिटिव नहीं बचा है। हां 24 मई की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट में जिले की लिस्ट में कुल 17 कोरोना पॉजिटिव मामलों में से भानपुरा के वार्ड नंबर 15 में एक 25 वर्षीय महिला कोरोना पॉजिटिव पाई गई है।

कोरोना पॉजिटिव के मामलों में तहसील भानपुरा व नगर मुख्यालय पर कोरोना को मात देने वालों की संख्या 718 के मुकाबले 141 होना एक सुखद एहसास है। परंतु महामारी का खतरा अभी टला नहीं है, इसी को देखते हुए कोरोना महामारी के प्रति लोगों का अभी और भी सचेत होना जरूरी है। यहां यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि, शासकीय रिकॉर्ड के यह आंकड़े हैं, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में बुखार, सर्दी, खांसी के साथ ही टाइफाइड लोगों में बड़ा है व ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध साधनों व वहां पर उपचार कर रहे। आरएमपी तथा अन्य झोलाछाप डॉक्टरों पर ग्रामीणजन पूरी तरह से निर्भर है। इसलिए जैसे की मांग की जा रही है। ग्रामीण अंचलों में घर-घर सर्वे अत्यंत ही आवश्यक है व ऐसे उपचार करने वाले को सख्त दिशा-निर्देश की आवश्यकता है।

पहले कोरोना टेस्ट, बाद में उपचार

उल्लेखनीय है कि, यदि ग्रामीण क्षेत्रों में सही तरीके से कोरोना संक्रमितों का पता लगाया जाए तो बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव पाए जाएंगे। वहीं इस गंभीर बीमारी के शिकार होने वाले लोग भी शासकीय संख्या से कई गुना अधिक पाए जाएंगे इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। इसलिए ग्रामीण क्षेत्र में प्रशासन को पहले कोरोना का टेस्ट बाद में इलाज की योजना बनानी चाहीए।

कोरोना ने अप्रेल माह में मचाया हाहाकार, जून की शुरूआत में खत्म होने की संभावना

माही की गूंज, मंदसौर।

अप्रैल में हाहाकार मचाने वाले कोरोना वायरस का असर मई के दूसरे पखवाड़े में जाकर कुछ कम हुआ है। इस माह की शुरुआत में 22 प्रतिशत की बेकाबू लहर से सभी हलाकान थे और अब कोरोना संक्रमण दर 3 प्रतिशत से भी कम दर्ज हुई है। साप्ताहिक औसत दर 6.17 प्रतिशत दर्ज की गई है। अब जिला प्रशासन 31 मई के बाद अनलॉक की संभावना तलाशने लगा है कि, किस क्षेत्र में छूट दी जा सकती है और किसमें नहीं।

इस तरह घट रहे मरीज

5 मई को कुल 1 हजार 414 सैंपल की रिपोर्ट में 248 मरीज मिले थे उसके बाद 12 मई को 1 हजार 348 सैंपल की जांच में 131, 13 मई को 1 हजार 222 सैंपल की जांच में 98, 14 मई को 1 हजार 272 सैंपल की जांच में 124, 15 मई को 1 हजार 244 सैंपल की जांच में 85, 16 मई को 905 सैंपल की जांच में 80, 17 मई को 693 सैंपल की जांच में 54, 18 मई को 1 हजार 135 सैंपल की जांच में 89, 19 मई को 1 हजार 65 सैंपल की जांच में 73, 20 मई को 720 सैंपल की जांच में 66, 21 मई को 929 सैंपल की जांच में 47 व 22 मई को 1 हजार 69 सैंपल की जांच में 32, 23 मई को 1 हजार 308 सैंपल की जांच में 36 मरीज मिले हैं। जिसके बाद यह आंकड़ा 24 मई को 30 के आस-पास रहा।

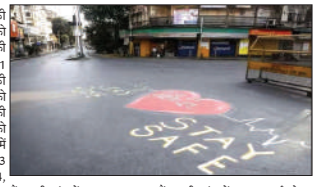

द वर्ल्ड राइजिंग फाउंडेशन ने रोटरी क्लब आजाद के स्वास्थ्य केन्द्र को किये 2 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर भेंट

माही की गूंज, झाबुआ।

इस फाउंडेशन के सभी सदस्य हमेशा निरूस्वार्थ भाव से सम्पूर्ण मानव जाति की सेवा के लिए आगे आते रहे हैं। इसी कड़ी में अब यह फाउंडेशन ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे लोगों के लिए एक अद्भुत मिशाल पूरे मध्यप्रदेश में बन गया है। झाबुआ स्टेट के पूर्व महाराजा श्रीमंत नरेंद्रसिंह की प्रेरणा से द वर्ल्ड राइजिंग फाउंडेशन की फाउंडर राजपरिवार की राजकुमारी नंदिनी सिंह तथा मरीन शेख द्वारा कोरोना महामारी से चल रहे युद्ध में पूरे मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए लोगों को राहत पहुंचाने का बीड़ा अपने फाउंडेशन के माध्यम से उठाया हैं। पूरे मध्यप्रदेश के अनेक स्थानों पर आवश्यकता अनुसार सरकारी तथा निजी अस्पतालों व स्वयमसेवी संस्थाओं को निरूशुल्क ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भेंट किए जा रहे है। झाबुआ में भी मंगलवार को दो ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर झाबुआ में स्वास्थ्य उपकरणों के माध्यम से सेवा का पर्याय बन चुकी संस्था रोटरी क्लब आजाद के स्वास्थ्य केन्द्र को भेंट किए गए। इस मानवीय काम में फाउंडेशन की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की बात भी फाउंडेशन की फाउंडर मेंबर राजकुमारी नंदिनी सिंह द्वारा कही गई हैं।

रोटरी क्लब आजाद के संजय कुमार कांठी, अजय रामावत, देवेंद्र पटेल, मनोज कटकानी, डॉ. संतोष प्रधान तथा रविन्द्र सिसोदिया ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मंगलवार को फाउंडेशन की ओर से अधिकृत किए गए झाबुआ के समाजसेवी नीरजसिंह राठौर के हाथों प्राप्त किए। इस अवसर पर रोटरी क्लब आजाद के संजय कुमार कांठी ने द वर्ल्ड राइजिंग फाउंडेशन का इस नेक व मानवीय कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि सही समय पर यह कदम उठाया गया है। भविष्य में होने वाली ऑक्सीजन की कमी को इन्ही प्रयासों के माध्यम से हम दूर करने का प्रयास करेंगें। इस अवसर पर समाजसेवी नीरजसिंह राठौर ने द वर्ल्ड राइजिंग फाउंडेशन मध्यप्रदेश द्वारा चलाई जा रही सेवाओं का ब्यौरा देते हुऐ इस कदम की सराहना की है व फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे इस मानवीय कार्य के लिए साधुवाद दिया।

टेलेंट स्कूल संचालक ने किया छात्र के भविष्य के साथ खिलवाड़

माही की गूंज, सुजालपुर। अजय तत्र केवट

अच्छी शिक्षा हमारे आने वाले भविष्य का बेहतर निर्माण कर सकती है, लेकिन आज की शिक्षा सिर्फ पैसों और व्यापार तक ही सीमित होकर एक स्वार्थी मानसिकता को जन्म देकर व्यापार में तब्दील हो गई है। शिक्षा के मंदिरों में खुलेआम व्यापार चल रहा है और शासन-प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधि भी इन शिक्षा माफिया के आगे लाचार होकर मौन खडे है। प्राइवेट संस्थानों की मनमानी की बात करें तो इन्होंने कोरोना कॉल में मानवियता नही दिखाई, जिसके चलते बेरोजगारी व आर्थिक तंगी से जूझ रहे पालको को स्कूलों की मनमानी का सामना करना पड़ा। शासन द्वारा बनाई गई गाईडलाइन का प्राइवेट स्कूलो ने खुलेआम उल्लंघन कर पालकों के साथ लूट-खटोट करने के लिए फर्जी नियमो का हवाला दिया।

शिक्षा मंत्री के क्षेत्र में टेलेंट हायर सेकंडरी स्कूल का संचालन कर रहे संचालक द्वारा अपनी लापरवाही से बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का मामला सामने आया है। जिले में करीबन 15 से 20 बच्चों के 10 वीं कक्षा के परीक्षा फॉर्म तक नहीं डाले गए। जिनमे से एक स्कूल शुजालपुर क्षेत्र में स्थित टेलेंट हाई सेकंडरी स्कूल पोल फेक्ट्री है, जो की छात्र मोहित पिता जीवनसिंह मेवाड़ा ग्राम खेडीनगर का है। एसा ही एक और मामला ईडन स्कूल गुलाना का है। 10 वीं कक्षा के परीक्षा फॉर्म नही डाले जाने के कारण उन बच्चों का न तो कोई जनरल प्रमोशन होगा न ही वह कोई परीक्षा देने योग्य रहेंगे। ऐसी स्थिति में पालक अपने बच्चों के भविष्य के लिए चिंतित होकर जगह-जगह हाथ पैर मार रहे हैं लेकिन लापरवाह टेलेंट हायर सेकंडरी स्कूल संचालक ब्रजेश सक्सेना इसमें जरा भी गंभीरता नही दिखा रहे है।

स्कूल संचालक ब्रजेश सक्सेना

जब इस बारे में पालक द्वारा बात की गई तो स्कूल संचालक ने खरी-खोटी सुनाते हुए समय न होने का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लिया और फोन काट दिया। ऐसे में स्कूल राज्य शिक्षा मंत्री की विधानसभा में एक ही स्कूल नहीं बल्कि दो या तीन ऐसे स्कूल है जिनमें करीबन 15 से लेकर 20 बच्चों के एग्जाम फॉर्म नहीं भरे गए। अब सवाल यह उठता है कि, इन स्कूलों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? अगर ठीक तरीके से जांच की जाए तो कई स्कूल आरटीई की गाईडलाइन व मापदंडो को भी पूरा नहीं करते है। फिर भी खुलेआम व्यापार कर मनमानी के साथ पालको से जमकर पैसा ऐंठते है।

छात्र मोहित मेवाड़ा के पिता जीवन सिंह मेवाड़ा को इस बात की जब प्रिंसिपल ने 25 मई को फोन लगाकर बताया कि, आपके बच्चे का एग्जाम फार्म हमसे छूट गया है। जब पिता ने पूछा कि, कैसे छूट गया। तो टेलेंट स्कूल संचालक ब्रजेश सक्सेना बोला कि, हमसे गलती है हो गई है अब हम कुछ नही कर सकते।

आखिर क्यों उच्च अधिकारी लापरवाह स्कूल संचालको को मान्यता प्रदान कर देते जो आए दिन बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ करते रहते है। क्या प्रशासन लापरवाह स्कूल संचालक ब्रजेश सक्सेना के पर कोई कार्रवाई करेगा या फिर से यूं ही बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ करने के लिए छोड़ दिया जाएगा। वही दूसरी ओर छात्र मोहित मेवाड़ा का रो-रो कर बुरा हाल है।

जब उक्त मामले में जिला शिक्षा अधिकारी से बात की गई तो उनका कहना है कि, हमने इस मामले को ऊपर पहुंचाया है कुछ संशोधन होगा तो बताएंगे।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

माही की गूंज, मंदसौर।

वेतनमान सहित विभिन्न मांगों की सुनवाई नहीं होने पर सोमवार से जिले के 560 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है। उन्होंने सोमवार को जिला अस्पताल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। उनके हड़ताल पर जाने से अंचल में स्वास्थ्य व्यवस्था निश्चित ही प्रभावित हो गई है। गरोठ में सोमवार को एक व्यक्ति जहर खाकर पहुंचा लेकिन संविदा स्टाफनर्स के हड़ताल पर होने से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने बताया कि, जिले में पूर्व में भी इन मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षण कराया जा चुका है। मांगें पूरी करने के लिए सरकार को पूर्व में 15 मई तक का समय दिया था, लेकिन कोई आश्वासन नहीं मिला। इसके बाद 17 मई से चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। उसके बाद भी सरकार उदासीन है। आखिर में संगठन को 24 मई से अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल पर जाना पड़ रहा है। सरकार जब तक मांगें नहीं मानेंगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

ये हैं मांगें

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र. के कार्यरत सभी संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को 5 जून 2018 की नीति के अनुसार नियमित कर्मचारी के वेतनमान का न्यूनतम 90 प्रतिशत वेतनमान दिया जाए। सभी निष्कासित एवं सपोर्ट स्टाफकर्मचारियों जिन्हें आउटसोर्स एजेंसी में कर दिया है उनकी तत्काल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र में वापसी की जाए।

इस तरह विरोध कर रहे संविदा कर्मचारी

जिले के सभी संविदा कर्मचारी जिला मुख्यालय पर ताली, थाली एवं शंख बजाकर सरकार द्वारा दिए सम्मान को लौटाएंगे। 26 मई को प्रदेश की समस्त स्वास्थ्य संस्था परिसर में मास्क, सैनिटाजर एवं खाद्य सामग्री मांग पत्र, आम जनता एवं मरीजों के परिजन को बांटे गए। आज जिले के सभी कर्मचारी घर-घर जाकर आंदोलन के प्रति जनसमर्थन प्राप्त करेंगे। हर कर्मचारी 10 घर जाएगा। इसके साथ लोगों को कोरोना से रोकथाम के लिए जागरूक किया जाएगा।

28 मई को जिला मुख्यालय एवं स्वास्थ्य संस्थाओं में झाड़ू लगाई जाएगी।

प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, क्षेत्रीय विधायक गरोठ भानपुरा देवीलाल धाकड़, कलेक्टर मंदसौर, पुलिस अधीक्षक मंदसौर की समग्रता में संविदा स्वास्थ्य संघ जिला मंदसौर की ओर से 5 जून 2018 की नीति को लागू करवाने के लिए ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन के साथ मंदसौर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की तरफ से 1 दिन का वेतन कलेक्टर कोष में जमा करने हेतु भी सहमति पत्र जारी किया गया। साथ ही वित्त मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री से उक्त ज्ञापन के परिपेक्ष में चर्चा कर तत्काल निर्णय लेने हेतु पूर्ण रूप से आश्वस्त किया गया एवं समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी गणों का कांविड महामारी में किए गए कार्य की प्रशंसा की गई।

मंदसौर जिले के ब्लॉक सांधरा के स्वास्थ्य संविदा कर्मचारियों दुवारा क्षेत्रीय विधायक देवीलाल धाकड़ को विधायक कार्यालय पर अपनी मांग 5 जून 2018 नीति लागू करने हेतु ज्ञापन दिया व उन्हें अपनी मांगों से अवगत कराया गया। उक्त ज्ञापन में ब्लॉक संविदा अध्यक्ष अभिषेक तिवारी, महेश चौहान, मनसुख चंदावाचोरियां, रविन्द्र तोमर, किरण, अमरसिंह, सांधरा ब्लॉक के सभी संविदा साथी उपस्थित रहे।

सूचना मिलने पर पुलिस ने 150 किलो पाड़े का मांस किया जप्त

माही की गूंज थांदला। सोमवार को फरियादी नाथू पिता वालजी देवदा निवासी बढ़ावा कुंडी फलिया ने थांदला थाने पर आकर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मेरी गाय लाल-भूरे-सफेद रंग की रविवार शाम को मेरे घर के कोठे के अंदर बंधी थी। रात करीब 2 बजे उठकर मैंने देखा तो गाय कोठे के अंदर नहीं थी। मैं चिल्लाया तो मेरे आस-पास के परिवार वाले भी आ गए। गाय को तलाश करते हुए हमें पता चला कि मेरी गाय को हाजसिंग पुत्र रावजी मईड़ा, अमरा उर्फ अमरसिंह पुत्र दल्ला डोडियार और वारजी पुत्र कालिया मईड़ा निवासी बेड़ावा चोरी करके ले गए है।

फरियादी की रिपोर्ट पर थाना थांदला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौराने विवेचना फरियादी नाथू द्वारा पुनः थाने पर आकर रिपोर्ट किया कि बेड़ावा भूरी घाटी जंगल में जो लोग मेरी गाय को चुरा कर ले गए थे वे लोग पाड़े का मांस काट कर वाटा कर रहे है। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर थाना प्रभारी के निर्देशन में टीम को तैयार कर घटना की तस्दीक हेतु भेजा गया। मौके पर दूर से देखा तो कुछ लोग भीड़ लगाकर मांस का बंटवारा कर रहे थे। जिन्हें फोर्स व पंचानो की मदद से घेराबंदी कर तीन लोगों को पकड़ा। जिनके नाम हवसिंग पुत्र रागजी मईड़ा व अमरा उर्फअमरसिंह पुत्र दल्ला डोडियार व वारजी पिता कालिया मईड़ा निवासीगण ग्राम बेड़ावा का होना बताया। जिनसे मौके पर 150 किलो पाड़े का मांस जप्त किया। गाय चोरी के संबंध में पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि गाय को काटकर माँस व खाल को छुपा दिया है। पंचानो के समक्ष गाय की पूरी खाल व मांस कुल 40 किलो बरामद किया गया। आरोपीगणों को गिरफ्तार कर न्यायालय थांदला पेश किया गया। जहाँ से न्यायालय ने जेल वारंट बनाकर जिला जेल भेज दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

सोशल डिस्टेंस के नियम का पालन करवाने हेतु दिए जाए टोकन- कलेक्टर श्री वर्मा

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराजसिह वर्मा ने परिपत्र भेजकर जिले के समस्त प्राथमिक कृषि साख समिति, प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार, महिला बहु. सह. संस्थाऐं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान, रासायनिक खाद वितरण केन्द्र के संचालको को बताया है कि, उनकी संस्थाओं के संचालन का समय प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगा। इस दौरान हितग्राहियो को बैठने हेतु पर्याप्त छायादार स्थान तथा पीने के पानी की व्यवस्था की जाए, साथ ही दुकान पर आए हितग्राहियो की थर्मल स्केनिंग एवं आक्सीमीटर से परीक्षण कर मास्क, सैनेटाइजर की व्यवस्था कर सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा जाए।

शासकीय उचित मूल्य दुकान एवं रासायनिक खाद विक्रेताओं को शत-प्रतिशत कोविड-19 वैक्सीन लगवाई जाए। कोरोना पाजिटिव एवं असहाय वृद्ध हितग्राहियो के घर तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करे। ग्रामवार कृषको को खाद वितरण व्यवस्था हेतु रोस्टर तैयार कर वितरण कराया जाए एवं कृषको, हितग्राहियो को रासायनिक खाद एवं सार्वजनिक वितरण की दुकान पर भी टोकर जारी कर माईक से टोकन नम्बर अलांउस करें। वितरण कार्य पीओएस मशीन के माध्यम से ही किया जाए। अत्यधिक भीड-भाड होने की दशा में सुरक्षा हेतु पुलिस बल भी प्राप्त किया जाए।

धारा-144 का उल्लंघन करने पर सील की दुकानें

माही की गूंज, खरगोन। जिले में कोरोना संक्रमण के मद्देनजर धारा-144 लागू है। इसके बावजूद भी कई दुकानदार जिन पर प्रतिबंध लगाया गया है, वो भी खुली रखकर या शटर गिराकर दुकानों से सामग्री क्रय-विक्रय करने में लगे है। इसी के उल्लंघन पर खरगोन सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में भी राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई की गई।

नायब तहसीलदार प्रियंका रावत ने बताया कि, शहर में दल द्वारा घाटी जिनिंग में कुनेल साईकल एंड ऑटो पार्ट्स व अल हुसैन कटलरी में धारा-144 का उल्लंघन करने पर दुकान सील कर धारा-188 की कार्रवाई की गई। इसी तरह महेश्वर में भी तहसीलदार विवेक सोनकर द्वारा जय स्तंभ चौराहा क्षेत्र में दुकानों पर कार्रवाई करते हुए दुकानदारों के सैंपल भी लिए गए। इधर खरगोन में कृषि उपज मंडी में मंगलवार को 49 आरएटी सैंपल लिए गए थे, सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई।

एसडीएम सत्येंद्रसिंह ने बताया कि, 150 दुध वितरकों के श्रीकृष्ण टॉकीज व बाल शिक्षा निकेतन में सैंपल लिए गए, जो सभी नेगेटिव आएं। जबकि बड़वाह एसडीएम अनुकूल जैन ने बताया कि, मंगलवार को अतिवर्षा व बाढ़ से निपटने की तैयारियों के संबंध में नगरीय निकाय, जनपद सीईओ व राजस्व अमले के साथ-साथ खाद्य व अन्य विभागों के साथ बैठककर अतिवर्षा होने पर पूर्व विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए।

आबकारी विभाग ने संवेदनशील गांवों में की कार्यवाही

माही की गूंज, खरगोन। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी दल द्वारा संयुक्त रूप से संवेदनशील गांवों में कार्यवाही की गई। आबकारी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संवेदनशील गांव घुघरियाखेड़ी, मोहम्मदपुर, सोलना व देवलगांव में अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही कर वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मालवीय द्वारा म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) (क) के तहत 4 प्रकरण दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही में 60 पवा देशी प्लेन मदिरा भी जब्त की गई। जब्त की गई मदिरा का बाजार मूल्य 5 हजार रूपए है।

बमुश्किल मिली पीएम आवास की पहली किस्त के बाद अब दूसरी किस्त नहीं मिलने से अधूरे पड़े निर्माण कार्य

शोसल मीडिया पर फिर उठने लगी मांग, बारिश का मौसम आने से बड़ेगी परेशानी

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी का 2024 के सपनो के भारत पर लेट-लतीफीशाही का ऐसा ग्रहण लग रहा है कि, आने वाले दा से तीन वर्षों में तो ठीक आने वाले दस वर्षों में भी हर घर पक्का का सपना पूरा नही होता दिख रहा है। ग्रामीण स्तर पर योजना की हालत पहले से बहुत ही खराब थी लेकिन अब नगरीय स्तर पर भी लापरवाही ओर लेट-लतीफी सामने आ रही है, जिस कारण आवास योजना के एक बार स्वीकृत काम तीन से चार वर्ष में भी नही हो रहे हैं। ऐसी योजना के लाभ का इंतजार कर रहे दूसरे हितग्राही या तो स्वयं के खर्च से मकान बनाने को मजबूर हैं या वर्षो से आस लगा कर बैठे हैं।

दो वर्ष में मिली पहली किस्त, दूसरी के लिए फिर इंतज़ार, कई काम रुके

आवास योजना की हकीकत अगर देखना है, तो पेटलावद शहरी क्षेत्र में आकर आप देख सकते है, शहरी क्षेत्र में यह योजना पूरी तरह धरातल पर कारगार साबित नही हो सकी। पहले जो पात्र हितग्राही थे, उनमें से कईयो को सूची से बाहर कर दिया गया, फिर अंतिम सूची बनाने में 2 साल का लंबा वक्त लग गया। ये ही वजह रही कि, पहली किस्त डलने के बाद अब दूसरी किस्त के लिए भी लोगो को इंतजार करना पड़ रहा है। सिस्टम की लालफिताशाही का शिकार हितग्राही अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहे है। पीएम आवास योजना में पहली किस्त मिलने के बाद शहरभर में 192 मकानों का निर्माण शुरू हो गया था लेकिन दूसरी किस्त नहीं मिलने के कारण अब काम रुक गया है। पहली किस्त मिलने के बाद लोगों ने 5 से 6 फीट तक खुदाई कर भराव कर दिया। पिल्लर खड़े कर आधार तैयार कर दीवारे भी बना ली, लेकिन दूसरी किस्त नहीं मिलने के कारण दीवार से आगे काम नहीं बढ़ रहा है। शहरभर में लगभग सभी आवासों का निर्माण रुक गया है। इस बीच लोग परेशानी में समय निकाल रहे हैं।

लोगो को अब चिंता सताने लगी है कि, कुछ दिनों बाद बारिश का मौसम आने वाला है, ऐसे में अधूरे आवासों में कैसे रह पाएंगे। इस समय कई लोग तो निर्माणाधीन मकानों में खुले में रह रहे है, तो कुछ किराए के मकान लेकेर रह रहे है। दूसरी परेशानी यह आ रही है कि, कोरोना काल में मकान मटेरियल के भाव आसमान छू रहे है। जिसने लोगो की दिक्कतों को बढ़ा दिया है।

कोई जवाबदार नहीं, जब क़िस्त आएगी मिल जाएगी

दूसरी किशत की मांग के लिए हर दिन लोग नगर परिषद पहुंचकर शिकायतें कर रहे हैं। लेकिन आवास हितग्राहियों को संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। पहली किस्त को लेकर दूसरी किस्त के भरोसे पर लोगों ने मकान तोड़ दिए। लोग अपने ही घर के लिए बेघर हो गए। कोई किराए के मकान में रह रहा है तो कोई खुले में मुश्किल से समय बीता रहा है।

राजापुरा निवासी बबूल शेख ने बताया, जगह समतल नहीं थी, मैं मजदूरी करता हूं, करीब 8 फीट का भरावकर पिल्लर खड़े किए। मैं और मेरा पूरा परिवार किराए के मकान में रह रहे है। मकान का निर्माण जल्द पूरा करने के लिए राशि की जरूरत है। यह जल्द दी जाना चाहिए। शहर में ऐसे सैकड़ो लोग है जो परेशानियां उठा रहे हैं।

सीएमओ मनोज शर्मा का कहना है कि, प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त के लिए डिमांड भेजी है। अगली किस्त दिलवाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शासन स्तर से हितग्राही के खाते में दूसरी किस्त सीधे ही आएगी और अगर हमारे पास राशि आती है तो हम जमा करवा देंगे।

मारपीट के मामले में बामनिया के तीन लोगों पर एट्रोसिटी सहित कई धाराओं में मामला दर्ज

माही की गूंज, पेटलावद। मंगलवार रात बामनिया निवासी रितेश कटारा के साथ नगर के ही कुछ युवकों ने षड्यंत्र पूर्वक चौराहे पर मारपीट कर जान से मारने की कोशिश की थी। मारपीट के दौरान किसी ने इसका वीडियो भी बना लिया था जिसमे कुछ युवक पीड़ित की पिटाई करते नजर आ रहे थे। इस मामले को गम्भीर लेकर सूचना मिलते ही सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने बामनिया चौकी पर मारपीट करने वालो के विरुद्ध मामला दर्ज करने हेतु आवेदन दिया था। जयस के विरोध के बाद पेटलावद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर आरोपियों पर एसटी-एसी एक्ट 1989 सहित भारतीय दंड सहिंता की विभिन धाराओं में मामला कर दर्ज कीया। संगठन की और से जिला जयस आई टी सेल प्रभारी कांतिलाल गरवाल ,जयस उपाध्यक्ष कपिल डामर,खुशवंत डामर, पवन खराड़ी, जितेंद सोलंकी (सारंगी), थावरसिंह सोलंकी (रायपुरिया), मुकेश भाभर, संदीप वसुनिया, अमरसिंह वसुनिया, राहुल डामर, रमेश वसुनिया, सुनील डामर, नीलेश मुणिया आदि उपस्थित थे। वहीं समाचार लिखे जाने तक किसी भी ओरोपी की गिरफ्तारी नही हुई थी।

स्ट्रेचर से गर्भवती को लाए पहाड़ से नीचे, जननी से पहुंचाया स्वास्थ केंद्र, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले का विकासखंड पाटी यूं ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित नहीं करता। यहां के पहाड़ी लोगों को समय अपनी क्षमताओं को परखने का चैलेंज हर वक्त देता हैं। आज भी फलिया संस्कृति के कारण कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां से रोगी को मात्र स्ट्रेचर से ही लेकर नीचे पहुंच मार्ग तक पहुंचाया जा सकता है।

इन्हीं सब कारणों से जिले में ''मिशन उम्मीद'' प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत ऐसे दुर्गम क्षेत्र जहां वाहन नहीं पहुंच पाते, वहां से बीमार एवं गर्भवती महिलाओं को लाने के लिए फोल्डिंग स्ट्रेचर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को उपलब्ध कराए गए हैं। जिससे आवश्यकता पड़ने पर इनके माध्यम से रोगी को पहाड़ से नीचे लाकर बेहतर इलाज हेतु स्वास्थ केंद्र भेजा जा सके।

गुड़ी के पखालिया फलिया की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुश्री मनीषा जमरे के सामने ऐसा ही प्रश्न खड़ा हो गया था। जब फलिया की रहवासी श्रीमती आमना पति राजाराम को दूसरी डिलेवरी का लेबर पेन होने लगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने तत्काल जननी 108 को कॉल कर बुला लिया। किंतु पहाड़ से गर्भवती को लाना अपने आप में विकट था। ऐसे में कार्यकर्ता ने फोल्डिंग स्ट्रेचर का सहारा लिया और परिजनों के सहयोग से गर्भवती महिला को लगभग 2 किलोमीटर घुमावदार पगडंडियों के रास्ते से पहाड़ से उतारकर वाहन में लिटाया और गुड़ी के स्वास्थ केंद्र पहुंचाया।

जहां पर महिला ने एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया और अब जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। कोरोना काल में जब सब कुछ ठहरा हुआ है, ऐसे में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ विभाग के अमले का यह प्रयास और सराहनीय हो जाता है।

पशुपालन मंत्री पटेल पहुंचे अस्पताल, परोसा जरूरतमंदों को भोजन

माही की गूंज, बड़वानी। कोरोना महामारी के मद्देनजर लागू कोरोना कर्फ्यू के दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ के सदस्य विगत 11 दिनों से जिला चिकित्सालय पहुंचकर जरूरतमंदों एवं निराश्रितों को भोजन वितरित कर रहे है। उनके इस प्रयास को संबल देने के लिए बुधवार को प्रदेश के पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल भी जिला चिकित्सालय पहुंचे एवं सदस्यों के साथ जरूरतमंदों को भोजन परोसा साथ ही उन्होने भोजन वितरण हेतु सहयोग राशि भी प्रदान की।

इस दौरान पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने कहा कि, राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ के सदस्य जरूरतमंदों को भोजन का वितरण कर बहुत ही पुनित कार्य कर रहे है। हर मनुष्य का यही प्रयास रहना चाहिए कि कोई भी भूखा ना रहे। इस दौरान उन्होने सभी से आव्हान किया कि वे सोशल डिस्टेंस एवं मास्क के नियम का पालन करे। साथ ही अपनी बारी आने पर कोरोना वैक्सीन जरूर लगवाए। इस दौरान राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री नीलिमा श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष सुश्री पिंकी गुप्ता, जिला अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, तहसील अध्यक्ष भरत सोनी, महिला अध्यक्ष श्रीमती निशा गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अभिलाषा सोनी, जिला महामंत्री शैली सोलंकी, स्मिता अत्रे ,संतोष सोनी, अमीषा सोनी, रानी खान, मंगला शर्मा, अंजली, पूनम राव, रितेश राव, रजनी पंवार और भवनीत उपस्थित थे।

भारी मात्र में अवैध विस्फोटक पुलिस ने किया जब्त

माही की गूंज, खरगोन।

देहात भ्रमण के दौरान बलकवाड़ा थाना प्रभारी वरुण तिवारी को मुखबीर से सुचना प्राप्त हुई कि, ग्राम मिर्जापुर के पास एक बुलेरो पिकअप खडी है। पिकअप मे विस्फोटक सामग्री जिलेटिन व वायर से भरे हुए खोके रखे हुए है एवं पिकअप मे दो व्यक्ति बैठे हुए है, जो कही अवैध रुप से विस्फोटक करने या किसी को विस्फोटक सामग्री बेचने के उद्देश्य से आए हुए है। मुखबीर की सूचना पुलिस टीम को मुखबीर के बताए हुए स्थान पर भेजा। यहां रोड के किनारे पिकअप में बैठे दो व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा। पकड़ में आए व्यक्तियों ने अपने नाम शोभालाल जाट पिता बद्रीलाल जाट निवासी ग्राम पोस्ट सियार थाना मंगरोप जिला भिलवाडा (राजस्थान) हाल मुकाम साईं विहार कालोनी ठीकरी व दुसरे ने अपना नाम देवीसिंह उदावत पिता रिडमलसिंह उदावत जाति राजपुत निवासी ग्राम पोस्ट उदलियावास तहसील व थाना बिलाडा, जिला जोधपुर (राजस्थान) हाल मुकाम साईं विहार कालोनी ठीकरी का होना बताया। पिकअप वाहन की तलाशी लेने पर 2 हजार नग जिलेटीन रॉड, फ्यूज वायर 8 नग व एडडी 300 नग वाहन में रखी मिली। वाहन में रखी सामग्री के वैध दस्तावेज या लायसेंस के बारे में पूछने पर कोई वैध दस्तावेज नही होना बताया गया। विस्फोटक सामग्री के संबंध में पूछने पर सामग्री को भारत नाम के व्यक्ति को बेचने के लिए आना बताया, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए भारत पिता छोट्या भिलाला निवासी रसवा थाना बलकवाड़ा को उसके घर पर पुलिस टीम द्वारा दबीश देकर पकड़ा। भारत से भी विस्फोटक सामग्री के वैध दस्तावेज या लायसेंस के बारे में पूछने पर कोई वैध दस्तावेज नही होना बताया गया। आरोपियों के कृत्य पर बलकवाड़ा थाने पर अपराध क्र 218/21 धारा 5/9 (ख) विस्फोटक अधिनियम 1884 व 286 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जन अभियान परिषद के कोरोना वालेंटियरर्स जनजाग्रति लाने में निभा रहे सराहनीय भूमिका

लेखन कार्य, जनता कर्फ्यू, मास्क की अनिवार्यता और टीकाकरण सहित ब्लेक फंगस से बचाव के लिए भी कर रहे प्रेरित

माही की गूंज, पेटलावद।

शासन की मन्शानुसार कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने और ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कोरोना के इस विपदाकाल मे सरकारी तंत्र से जुड़े कोरोना योद्धाओं की सेवा व कार्य की सराहना करने के साथ ही स्वेच्छा से सेवाएं देने वाले युवाओं को वालिंटियर के रूप में कार्य करने का आव्हान किया था। इसी क्रम में जनअभियान परिषद के युवाओं व सदस्यों के द्वारा विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामो में प्रेरणा दायक कार्य करते हुऐ ग्रामीण क्षेत्रो में जनजागृति लाने का प्रयास किया जा रहा है।

जागरूकता अभियान

पेटलावद विकासखण्ड समन्वयक प्रवीण पवार ने जानकारी देते हुए बताया कि, कोरोना महामारी बड़े शहरों के साथ छोटे ग्रामो में तेजी से फेली है, परन्तु कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अनुकरणीय पहल और जिला प्रशासन की सक्रियता से ओर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा लगातार प्रयास करने से अब बहुत कुछ स्थिति सामान्य हो रही है।

कोरोना टीकाकरण अभियान में वालियन्टरो द्वारा अपने-अपने ग्राम में आमजन को टीका लगाने के साथ स्वयं भी टीका लगा रहे है और ग्रामीणों को जागरूक कर रहे है। साथ में टीकाकरण केंद्र पर प्रस्फुटन समिति के ने व्यवस्था को संभालते हुए सभी को एक निश्चित दूरी पर खड़े रहने की समझाइश दे रहे है।

इसे क्रम में जन अभियान परिषद के वालियंटर्स द्वारा कोविड-19 बीमारी के पश्चात उपचार के बाद ठीक हुए लोगों को अतिरिक्त रूप से सावधानी रखने की समझाइश देने के अलावा ब्लैक फंगस की बीमारी के संबंध में शिकायतें आ रही है, उसके लिए भी ग्रामीण क्षेत्रों में समझाईश देकर लोगों में जनजागृति लाई जा रही है। विकासखण्ड पेटलावद के कोरोना वालीयंटर अपने गांव में टीकाकरण के दौरान सभी को 2 गज की दूरी और मास्क का महत्व बताते हुए व्यवस्था को संभाला और अपनी समिति के साथ ग्राम में मुख्य मार्ग और दीवार पर लेखन कार्य किया।

इन गाँवो मे भी चल रहा अभियान

पेटलावद ब्लॉक में जन अभियान के अंतर्गत प्रमुख रूप से सक्रिय ग्राम तारखेडी, नाहरपुरा, झकनावदा, कचनारिया, असालिया, दूलाखेड़ी, रायपुरिया, धतुरिया, महूडीपाड़ा, गोविन्दपुरा, कुंभाखेड़ी, भेरूपाडा, रामपुरिया, बाछीखेडा, बरवेट, रूपापाडा, ठिकरिया, रतांबा, हमीरगढ़, बरवेट, कुंडाल, बेगंबर्डी, छोटीगेहन्दी, गवालरुंडी, खिंदाखो, बखतपुरा, परेवा, अजब बोराली, बोरिया आदि में सीएमसीएलडीपी छात्र प्रस्फुटन समिति और कोरोना वालीयंटरो के द्वारा कार्य कीया जा रहा है। इस तरह से जनाभियान परिषद व विकास प्रस्फुटन समिति के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो में जनजागृति के सराहनीय प्रयास करते हुय कोरोना की जंग में सराहनीय भागीदारी निभाई जा रही है।

ऑक्सीजन की कमी से किसी की जान न जाए यह हमारा प्रयास - विधायक भूरिया

माही की गूंज, आम्बुआ।

यह समय कोरोना का चल रहा है जिसमें कई बीमारों ने ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण जिंदगी गंवा दी, हमने हमारी जोबट क्षेत्र की विधायक कलावती भूरिया को भी इसी बीमारी के चलते हैं खो दिया। भविष्य में किसी भी बीमार की ऑक्सीजन के कारण जान न जाए, यह हम सबका प्रयास होना चाहिए।

उक्त विचार आम्बुआ स्वास्थ्य परिसर में जोबट क्षेत्र की विधायक स्व. सुश्री कलावती भूरिया की स्मृति में लाडकी देवी भूरिया पब्लिक चेरीटीबल ट्रस्ट के माध्यम से आम्बुआ स्वास्थ्य केंद्र को एक ऑक्सीजन कान्सेंट्रैटर मशीन प्रदान करते हुए झाबुआ विधायक, पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि, जोबट विधानसभा क्षेत्र के उदयगढ़, जोबट, आम्बुआ आजाद नगर तथा कट्ठीवाड़ा को यह सौगात दी जा रही है। श्री भुरिया के साथ अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया, झाबुआ जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष विजय भाबौर, दीपक भूरिया, ज्ञानसिंह मुझालदा, डॉ. राजेंद्र सिंह राठौर, नारायणसिंह चौहान, अमान पठान, रामचंद्र माहेश्वरी, कमलसिंह कनेश, रमेश भाई, मुस्तु बोहरा, बबलू डावर, सारिक, मोगली खान, गोपाल चौहान के साथ ही चिचलाना, बड़ी, भोरदू, कोटबु, खण्डाला, बोरझाड़, हरदासपुर आदि क्षेत्र से पार्टी कार्यकर्ता तथा जोबट के बीएमओ तथा बीएचओ डॉ. विजय सिंह बघेल, डॉ. हितेश मशीह, आयुष चिकित्सक डॉ. सविता डावर, स्वास्थ्यकर्मी आदि उपस्थित रहे।

डॉ. विक्रांत भूरिया ने मशीन का संचालन कैसे किया जाएगा इसकी जानकारी मशीन को संचालित कर स्वास्थ्यकर्मियों को दी ताकि जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। साथ ही बताया कि, इस मशीन के आने से आत्मिक रूप से जरूरत पड़ने पर किसी मरीज की जान बचाई जा सकती है।

विधायक पटेल ने भी बांटे मास्क

वही मंगलवार को अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल ने आम्बुआ आकर ग्रामीणों तथा कस्बा क्षेत्र के नागरिकों को मास्क वितरण किए तथा सभी को कोरोना से बचाव की समझाईश भी दी। इस अवसर पर अलीराजपुर से सानी मकरानी, जितेंद्र देवड़ा, आम्बुआ से अमान पठान, सिराज खान, अमित (बबलू) डाबर, मोगली खान, शारिक, कृष्णा भूरिया, फरहान पठान आदि उपस्थित रहे।

जयस ने ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना से बचाव हेतु किया प्रचार-प्रसार

माही की गूंज, आम्बुआ।

जिले में कार्यरत आदिवासी समाज के संगठन (जयस) द्वारा इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में बैठक आयोजित कर कोरोना से बचाव की जानकारी के साथ ही कोरोना वैक्सीन लगवाने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया जा रहा है। साथ ग्रामीणों में फैली भ्रांतियां दूर की जा रही है।

जयस संगठन द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार यह संगठन इन दिनों कोरोना महामारी से बचाव हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागृति अभियान चला रहा है। गांव-गांव जाकर बैठक आयोजित कर ग्रामीणों में व्यस्त भ्रांतियां तथा अफ्वाहों से सचेत किया जा रहा है। इसी कड़ी में संगठन ने आमखुट क्षेत्र में बैठक आयोजित की तथा ग्रामीणों को बताया कि, सर्दी, खासी, बुखार होने पर वे अस्पताल जाए तथा इलाज कराने से डरे नहीं। साथ ही 18 वर्ष के युवाओं से लेकर 65 वर्ष से अधिक के सभी लोग वेक्सीन अवश्य लगवाएं।

बैठक में जयस के प्रदेश प्रभारी मुकेश रावत, विक्रम कनेश, नानसिंह कनेश, विशाल सोलंकी, मनीष वसुनिया, मुकेश मेहडा, शांतिलाल वसुनिया, राजेश मेहडा के साथ ही आशा कार्यकर्ता सहायिका, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष पटेल ने मृतकों के परिजनों से की भेंट

माही की गूंज, बड़ी खट्टाली।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष महेश पटेल एवं जिला कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष ओम राठौड़ ने ग्राम बड़ी खट्टाली क्षेत्र का सघन भ्रमण किया एवं ग्रामीणों से उनकी समस्याओं पर खुलकर चर्चा की। महेश पटेल ने ग्राम के चार मृतक के परिजनो से भेंट की एवं उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर रमेश मेहता, सोनू वर्मा, चैनसिंह डावर, दिलु कनेश, भारतसिंह मसनी सहित क्षेत्र के कांग्रेसी कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

महेश पटेल ने ग्राम के स्थित भील फ़लिया के लगभग 25 परिवारों से भेंट की, उन परिवारों ने बताया कि, उन्हें खाद्यान्न की पात्रता पर्ची नहीं मिली और न ही सोसाइटी से उन्हें खाद्यान्न मिल रहा है। इस पर पटेल ने सीओ जिला पंचायत अलीराजपुर को दूरभाष पर सारी जानकारियां दी एवं अवगत कराया कि, इन गरीब परिवारों को तत्काल पात्रता पर्ची मिलना चाहिए। इस संबंध में पटेल ने जिला खाद्य अधिकारी अलिराजपुर को भी दूरभाष पर अवगत कराया एवं आवश्यक निर्देश देने की पहल की।

वहीं ग्राम में सड़क निर्माण में श्री पटेल ने ग्रामीणों के ओटले की तोड़-फोड़ पर नाराजगी व्यक्ति की एवं कहा कि, बायपास मार्ग बनना था। हर जगह बायपास मार्ग ग्राम के बाहर बनता है। लेकिन बड़ी खट्टाली में बाजार से रोड निकाला जो कि प्रशासन ने मात्र दबाव में कार्य किया।

महेश पटेल ने लगभग 500 मास्क का वितरण ग्राम बड़ी खट्टाली मैं किया। पात्रता पर्ची गरीबों की बनवाना है तो महेश पटेल ने ग्राम पंचायत के सचिव चंदरसिंह जमरा को दूरभाष पर तत्काल सर्वे कर पर्ची बनवाने हेतु आग्रह किया। महेश पटेल ने इस प्रतिनिधि को चर्चा करते हुए बताया कि, यह रोड स्व. विधायक सुश्री कलावती भूरिया के अथक प्रयासों की देन है। जिन्होंने लड़ झगड़ कर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से 67 करोड रुपए स्वीकृत करवाकर कार्य प्रारंभ करवाया था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के विरुद्ध कार्रवाई हेतु सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ भाजपा मंडल द्वारा मंगलवार को आम्बुआ थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा जिसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा कोरोना महामारी के मद्देनजर गलत बयान-बाजी करने आदि के आरोप लगाकर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

गूंज प्रतिनिधि को भाजपा जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष विकास माहेश्वरी ने बताया कि, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा कोरोना महामारी पर उज्जैन में पार्टी बैठक में गलत तरीके से बयान-बाजी की, जिस कारण देश-विदेश में भारत की छवि धूमिल हो रही है। ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयानों का आम्बुआ भाजपा मंडल घोर निंदा करते हुए उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए आम्बुआ थाने पर ज्ञापन थाना प्रभारी को सौंपा गया। इस अवसर पर अनिल खंडेलवाल (मंडल महामंत्री), होजेफा बोहरा, शुभम क्षिरसागर, ताहेर बोहरा, राकेश राठौड़ आदि उपस्थित थे।

कोरोना कर्फ्यू में ढील के बाद समझदारी जरूरी

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

कई दिनों बाद खुले बाजार, बिना मास्क के पहुंचे ग्रामीण

कोरोना कर्फ्यू के चलते कई दिनों से बाजार बंद थे, साथ ही कुछ बंदिशों के साथ बाजार खुले। जिन व्यापारियों को अनुमति थी उन्होंने तय समय पर अपनी दुकानें खोली और जिन्हें अनुमति नहीं थी उन्होंने दुकाने बंद रखकर समझदारी का परिचय दिया। हालांकि ग्रामीण क्षेत्र से खरीदी करने आए कुछ ग्रामीण लापरवाह नजर आए, कुछ बिना मास्क, तो कुछ दो पहिया वाहन पर बिना मास्क के घूमते नजर आए। चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने स्टाफके साथ मोर्चा संभाला और पैदल अपने स्टाफ एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्य व कोटवार के साथ पूरे ग्राम में घूमकर ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए लोगों को मास्क पहनने की समझाइश दी, साथ ही चालानी कार्रवाई भी की। वही दुकानदारों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के लिए अवगत कराया गया। छूट प्राप्त दुकानों के अलावा अन्य दुकानों को नहीं खुलने दिया गया।

दुकानदारों को समझाइए देते हुए चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने कहा, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, बिना मास्क वालों को सामान नहीं दे, अपनी दुकान के सामने गोल घेरे बनाएं, सैनिटाइज का उपयोग करें, बिना मास्को वालों को मास्क पहनने के लिए प्रेरित करें। 3 बजते ही दुकानदारों से दुकानें बंद करवाई गई। ग्राम भ्रमण के दौरान चौकी प्रभारी अशोक बघेल, चौकी स्टाफ, हल्का पटवारी लालचंद बवेरिया, ग्राम रक्षा समिति के सदस्य व कोटवार साथ थे।

कांग्रेस अध्यक्ष पर हुई एफआईआर के विरोध में यूथ कांग्रेस ने दिया धरना

माही की गूंज, शुजालपुर।

प्रदेश की शिवराज सरकार द्वारा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पुर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर दर्ज की गई एफआईआर के विरोध में यूथ कांग्रेस शुजालपुर द्वारा अंबेडकर पार्क में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसमें मुख्य रूप से युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष गौरव परमार, बल्ला कप्तान, बलबीर सिंह राजपूत, घनश्याम परमार, रोहित राठौर, कृष्णपाल आदि मौजूद थे।

युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष गौरव परमार ने बताया कि, मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार ने कमलनाथ से भयभीत होकर उन पर दबाव बनाने के लिए फर्जी एफआईआर दर्ज कराई है, यदि इस एफआईआर को सरकार तत्काल वापस नहीं लेती है तो युवक कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक प्रदर्शन करेगी एवं जेल भरो आंदोलन भी करेगी। आगे उन्होंने बताया कि, न ही कमलनाथ किसी एफआईआर से डरने वाले हैं न हीं कांग्रेस का कोई कार्यकर्ता सरकार झूठी एफआईआर से डरने वाला है। केंद्र और राज्य सरकार की नाकामी और लाचारी की वजह से देश में कोरोना की दूसरी लहर इतनी ज्यादा घातक हुई। कोरोना से निपटने के लिए अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट और बेड बनाने चाहिए थे उस समय केंद्र की सरकार बंगाल में चुनाव-चुनाव खेल रही थी और शिवराज स्टार प्रचारक के रूप में अपने पूरे मंत्रिमंडल सहित बंगाल और दमोह के चुनाव में व्यस्त थे। इसलिए इन मौतों का यदि कोई गुनाहगार है तो केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की शिवराज सरकार है। एफआईआर इन लोगों पर दर्ज होनी चाहिए न की कमलनाथ पर।

कोरोना योद्धाओ को प्रदान की पीईपी किट

माही की गूंज, शुजालपुर।

कोरोना काल मे देवदूतों की तरह कार्य करने वाले कोरोना योद्धा को समाज सेवियो द्वारा उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पीईपी किट का वितरण किया गया। भाजपा किसान मोर्चा शुजालपुर ग्रामीण मंडल के द्वारा बुधवार से कोविड हेल्प डेस्क की शुरुआत की गई, जिसमें कि सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर में सेवार्थ कोरोना योद्धाओ को धन्यवाद किया गया। कोरोना योद्धा व कर्मचारियों को किसान मोर्चा की तरफसे पीईपी किट का वितरण किया गया। जिसके बाद जेएनएस कॉलेज के कॉविड केअर सेंटर में पीईपी किट का वितरण करने के बाद में गवर्नमेंट एक्सीलेंस स्कूल वैक्सीनेशन सेंटर पर जाकर किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने वैक्सीनेशन करवाया। साथ ही किसान मोर्चा द्वारा हर गांव में जाकर वैक्सीनेशन के लिए 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को प्रेरित करेंगे व गांव-गांव में जाकर मास्क वितरण का कार्य करने का काम किसान मोर्चा करेगा। भाजपा किसान मोर्चा के शुजालपुर मंडल अध्यक्ष गौरव परमार, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष परसराम धनगर, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राम गोपाल सिसोदिया, मंडल महामंत्री रविंद्र चंदेल, विक्रम मेवाड़ा, नरेंद्र परमार, दद्दू जाटव, महेंद्र परमार, लखन देवड़ा, कमलेश राठौर, समंदर दयालु, सागर मालवीय, आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव आपका है गांव का भला आप ही कर सकते हैं

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को दोपहर जनपद पंचायत रामा के ग्राम वागलावाट भूरिया में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए ग्रामवासियों से रूबरू हुए। यहां पर कलेक्टर मिश्रा ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एनएम ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, जीआरएस, तड़वी, पटेल तथा ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों को कोरोना से बचाव के लिए स्वयं टीका लगवाए, अपने परिवार के सभी सदस्यों को टीका लगवाए। आपकी सुरक्षा आपके गांव की सुरक्षा है। शत प्रतिशत टीकाकरण हो सरकार निरन्तर आपके सहयोग तथा सुरक्षा के प्रयास कर रही है। हम भी सहयोग कर टीकाकरण को जन जागृति में लेकर इस सफ्ल बनाए। आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से बनाए। इसमें आपको आयुष्मान कार्ड मिले या नहीं मिले। इसमें आपका आयुष्मान कार्ड नम्बर से ही आप अस्पताल में अपना इलाज करवा सकते है। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में कोरोना से बचाव के लिए 10 मेडिकल कीट दिए गए है। यदि समाप्त हो गए हैं तो हम तत्काल उपलब्ध करवा देंगे। कलेक्टर मिश्रा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन द्वारा यहां पर वृक्षारोपण किया तथा ग्रामीणों को वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। इस दौरान जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एमएल टॉक, सहायक यंत्री मनरेगा धीरेन्द्र धकिते, तहसीलदार आशीष राठौर, डॉ. डूडवे तथा प्रभारी पीआरओ सुधीर कुशवाह उपस्थित थे।

मनरेगा के अंतर्गत कंटुर ट्रेंच का निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा तथा जिला पंचायत व मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन द्वारा जनपद पंचायत रामा के ग्राम मोहनुपरा में मनरेगा के अंतर्गत जो कंटुर ट्रेंच बनाए गए है। जिसका क्षेत्रफ्ल 4 हेक्टर तथा लागत रुपये 5 लाख है। उसका निरीक्षण किया। कलेक्टर मिश्रा ने इंच टेप से कंटुर ट्रेंच की लम्बाई-चौड़ाई तथा गहराई नपवाई। कंटुर ट्रेन्च निर्माण से बारिश का जो पानी बह कर निकल जाता है वह अब धरती के अन्दर जाकर नमी पैदा करेगा। कलेक्टर मिश्रा ने यहां पर सघन वृक्षारोपण जिसमें सुबबुल, सिताफ्ल, नीम, रतनजोत के पौधेरोपने के लिए निर्देश दिए तथा यहां साइट अच्छी है तालाब का निर्माण किया जा सकता है। इस दौरान जनपद पंचायत रामा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामा एमएल टॉक, सहायक यंत्री धीरेन्द्र धकिते, तहसीलदार आशीष राठौर तथा प्रभारी पीआरओ सुधीर कुशवाह उपस्थित थे।

विधायक श्री पटेल ने 11 ग्राम पंचायतों को पेयजल के लिए वितरीत किए पानी के टैंकर

माही की गूंज, अलीराजपुर। विधानसभा क्षेत्रांतर्गत 11 ग्राम पंचायतों को भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से राहत देने के लिए विधायक मुकेश पटेल ने 16 लाख 20 हजार रूपए की लागत से बने 11 पेयजल टैंकर प्रदान किए। जिससे भीषण गर्मी के इस दौर में विभिन्न ग्रामों में पेयजल की समस्या का समाधान होगा। इस संबंध में विधायक मुकेश पटेल ने बताया कि, मेरे द्वारा विधायक निधि से ग्राम पंचायत औझड, गिराला, रोशिया, बडी उतावली, उमरखड, केल्दी की माल, कोसारिया, छिनकी, वास्कल, सामरा और फुलमाल के विभिनन ग्रामों में पेयजल आपूर्ति के लिए उक्त टैंकर दिए गए।

जिला प्रशासन ने लिया जायजा, निर्धारित छूट के बाद कोरोना कर्फ्यू का पालन करवाने के दिए निर्देश

माही की गूंज, अलीराजपुर। जिले में कोरोना कर्फ्यू के तहत किराना और कृषि कार्यो से जुडे व्यापारियों को निर्धारित समय सीमा में दुकान संचालन की दी गई छूट की व्यवस्थाओं का जायजा लेने कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी ने लिया। मंगलवार को अलीराजपुर और चन्द्रशेखर आजाद नगर में भ्रमण करते हुए उन्होंने मैदानी स्तर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों को कोरेना से बचाव के दिशा निर्दोषों का अनिवार्य रूप से पालन करने संबंधित समझाईस भी दी। किराना और कृषि कार्यो से जुडे दुकानदारों को निर्देश दिए कि, स्वयं के साथ-साथ ग्राहकों को भी अनिवार्य रूप से मास्क लगाने और सोल डिस्टेंसींग का पालन सुनिचित कराए। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों एंव आमजन को बताया कि, कोरोना का संक्रमण अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है, इसलिए सावधानी अत्यंत आवयक है। कलेक्टर श्रीमती गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री भागवानी ने अलीराजपुर एवं चन्द्रोखर आजाद नगर में विभिन्न स्थानों का दौरा करते हुए स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने छूट के अतिरिक्त समय में कोरोना कर्फ्यू का कडाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

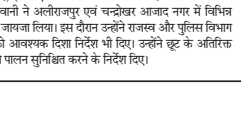

बेटी के जन्मदिवस के अवसर पर उपहार स्वरूप चांदी के कड़े किए भेंट

जिला अस्पताल में जन्मी बच्चियों को उपहार एवं परिवारजनों को मास्क का किया वितरण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि तरुण मण्डलोई ने अपनी बेटी के जन्मदिवस के अवसर पर उनके द्वारा जिला अस्पताल पहुचकर 23 तारीख को जन्मी बच्चियों को चांदी के कड़े एवं परिवारजनों को मास्क वितरण किए। इस अवसर पर उनके साथीगण प्रदेश कांग्रेस सचिव जहीर मुगल, इरफान शाह, अरविंद मालवीय, सोनू वर्मा आदि उपस्थित रहे। इस बीच तरूण मण्डलोई ने बताया कि, मेरी दो बेटियां हैं इत्तेफाक से पहला भी और ये दूसरा जन्मदिवस भी कोरोना के चलते परिवार में मनाना उचित नहीं था। हम लोग जिस देश में रहते हैं उस देश को भी हम माँ का दर्जा देते हैं। साथ ही साथ नवरात्रि पर्व पर हम छोटी-छोटी बच्चियों की पूजा कर उनका आशीर्वाद लेते हैं, उनके साथ खुशियां बांटते है। लेकिन निराशा तब होती है, जब लड़कियों के रूप में किसी समाज या किसी जाति में पैदा होती है तो कुछ लोग लड़कियों को बोझ समझते हैं। मुझे घिन्न आती है ऐसे लोगों पर उनकी सोच पर। मैं कहना चाहता हु उन लोगो से जो लडकियो ओर लड़को में भेदभाव करते हैं। आज के दौर में लड़कियां भी लड़को से कम नहीं हर क्षेत्रों में आज लड़कियां सबसे आगे दिखाई देती है। मण्डलोई ने बताया गया कि, 23 मई को मेरी बेटी अदिति मंडलोई के दूसरे जन्मदिवस पर कोरोनाकाल व लॉकडाउन् की गाईडलाइन के कारण अपनी बेटी अदिति मंडलोई के जन्मदिवस को यादगार बनाने के लिए अलीराजपुर जिला हॉस्पिटल में 23 तारीख को जन्म लेने वाली सभी बेटियो को उनके जन्मदिवस पर उपहार स्वरूप ससम्मान चांदी के कड़े के साथ बेटियो को आशीर्वाद व परिवार को मास्क वितरण किया। मेरी बेटी मेरा अभिमान है, इसी उद्देश्य के लेकर जिला हॉस्पिटल में 23 मई को जन्म लेने वाली सारी बेटियो को उपहार व आशीर्वाद दिया गया। बेटियां तो आने वाला सुनहरा कल होती है। बेटियों से भेदभाव नहीं गर्व करना चाहिए बेटियां हे तो कल है।

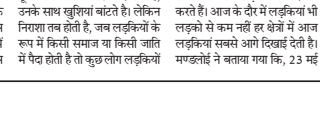

कालाबाजारीः अप्रैल का मुफ्त में मिलने वाला खाद्यान्न बिना वितरण के ही निल, कार्रवाई के नाम पर चल रही लीपा-पोती

माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा

गरीबों को मिलने वाला खाद्यान्न को खाकर अपना मन मीठा करने वालों को अंतिम समय में कोढ फुटना तय माना जा रहा है पर गरीबों का अनाज खाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय कार्रवाई के नाम पर लीपा-पोती करने वालों का हाल और कितना बुरा होगा यह पता नहीं, पर गरीबों का श्राप एक बार तो उन्हें लगेगा तो सही यह तय है।

धामनी आ.जा.सह. संस्था के अधीन मादलदा एवं नगारी की खाद्यान्न वितरण दुकान में पूर्व के खाद्यान्न में भ्रष्टाचार की बात नहीं करें पर हाल ही में भी कोविड-19 के चलते सरकार ने 3 माह का खाद्यान्न मुफ्त में देने के आदेश जारी किए, लेकिन मादलदा व नगारी की दुकान अप्रैल माह में सेल्समैन गुड्डू नायक द्वारा खोली ही नहीं गई और दुकान में आया सारा खाद्यान्न बिना वितरण के ही दुकान में निल हो गया।

ग्रामीणों ने इस बार भी शिकायतें की तब जाकर भ्रष्ट सेल्समैन गुड्डू नायक को दुकान से हटाने की कार्रवाई कर अपने कार्य की इतिश्री कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मंगलवार को संस्था में गरीबों के खाद्यान्न को खा जाने एवं लोगों को खाद्यान्न नहीं मिलने की सूचना माही की गूंज कार्यालय में दी, जिसके बाद हमारा प्रतिनिधि मादलदा पहुंचा और ग्रामीणों से खाद्यान्न संबंधी समस्या जानी तो बताया हमेशा की तरह अभी भी अप्रैल में दुकान नहीं खोली गई और किसी को भी खाद्यान्न का एक दाना नहीं दिया गया पर अप्रैल माह का खाद्यान्न का दुकान में एक दाना भी नहीं है।

ग्रामीणों ने बताया, शिकायत के बाद सेल्समैन को हटाकर दूसरे सेल्समैन रितेश मैड़ा उसके साथ एक सहायक को पदस्थ कर मुफ्त में 3 माह का खाद्यान्न मिलने के बजाय 2 माह का ही खाद्यान्न सेल्समैन दे रहे है, ग्रामीणों ने यहां तक बताया कि, अंत्योदय के हितग्राहियों को मिलने वाली एक-एक किलो शक्कर मादलदा व नगारी दुकान पर 2-3 वर्षों से नहीं देखी व नहीं मिली है।

सहायक सेल्समैन के अंगूठे से ही हो रहा खाद्यान्न वितरण

उक्त दुकान ऑनलाइन ना होकर ऑफलाइन का हवाला देकर खाद्यान्न वितरण पीओएस मशीन में सहायक सेल्समैन के ही अंगूठे के साथ खाद्यान्न वितरण किया जाना पाया गया। गूंज प्रतिनिधि ने नवनियुक्त सेल्समैन रितेश मैड़ा से चर्चा की अप्रैल का खाद्यान्न ग्रामीणों को क्यों नहीं मिला, तो सेल्समैन ने बताया दुकान में अप्रैल माह का खाद्यान्न है ही नहीं तो मैं कहां से दूं, मेरे पास मई-जून का खाद्यान्न का स्टॉक है जो मैं वितरण कर रहा हूं, शक्कर स्टॉक में नहीं है इसलिए नहीं दे रहा हूं, पहले भी शक्कर वितरण नहीं हुई व अप्रैल का खाद्यान्न क्यों नहीं दिया गया यह जानकारी पूर्व सेल्समैन गुड्डू नायक या खाद्य आपूर्ति अधिकारी सूर्यकुमार तोमर ही दे सकते हैं।

पीओएस मशीन में हितग्राहियों की बजाय सहायक सेल्समैन के ही अंगूठे लगाकर किस आधार पर खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है व सहायक सेल्समैन का नाम जाना तो, सेल्समैन ने बताया हितग्राहियों के अंगूठे कोरोना की वजह से हितग्राहीयो के अंगुठे नहीं करवाने के आदेश है और ऑफलाइन दुकान का हवाला देकर रजिस्टर में एंट्री करने के साथ पीओएस मशीन में सहायक सेल्समैन के अंगूठे के साथ खाद्यान्न वितरण किया जाना बताया। वही सहायक सेल्समैन का नाम पूछने पर अपना नाम नहीं बताने के साथ वीडियो करते समय अपना मुंह नीचे कर लिया।

प्रशासन यहां कोविड का पालन नहीं करवा सकता तो आम जगह कैसे करवा पाएगा?

बार-बार हाथ धुलाई के साथ मुंह पर मास्क व 2 गज की सामाजिक दूरी रखने का संदेश व उसे पालन करवाने के निर्देश है, परंतु मादलदा ही नही सहकारी संस्थाओं की सभी दुकानों पर खाद्यान्न वितरण करते समय अनिवार्य रूप से न ही मुंह पर मास्क का पालन करवाया जा रहा है, न ही 2 गज की दूरी का पालन करवाया जा रहा है। नतीजन खाद्यान्न वितरण में प्रशासन के अधीन व्यवस्था में कोविड-19 गाइडलाइन का पालन न होकर प्रशासन सब कुछ देख कर भी संक्रमण को बढ़ाने का जरिया खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को बना रहा है। जिससे जाहिर सी बात है आमजन न ही मास्क, न ही 2 गज की दूरी का पालन करेंगे इसलिए प्रशासन को सख्त आदेश के साथ खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में कोविड गाइडलाईन का पालन करवाना आवश्यक है। खाद्य आपूर्ति अधिकारी सूर्यकुमार तोमर से इस संबंध में चर्चा की तो बताया, अप्रैल का खाद्यान्न दुकान में निल है पर पीओएस मशीन में खाद्यान्न स्टॉक में होना बता रहा है। पूर्व सेल्समैन को दुकान से हटा दिया गया है। वही बात करते हुए साहब ने कहा कॉविड 19 का पालन नहीं हो रहा है का समाचार प्रकाशित मत करना थोड़ा हमारा ध्यान रखना।

लापरवाही और भ्रष्टाचार... करोड़ों के पुल का एक बड़ा हिस्सा बनने से पहले हुआ धराशाई

संबंधित विभाग भ्रष्टाचार के घेरे में, हो सकता है बड़ा हादसा

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

आदिवासी बाहुल्य झाबुआ जिले में निरंतर भ्रष्टाचार का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। आदिवासी क्षेत्र का फायदा उठाते हुए कार्य की गुणवत्ता के अभाव में स्थानीय जिले के नेता नगरी के संरक्षण में बाहर प्रांत के ठेकेदारों द्वारा सरकारी मापदंडों और शासन के बनाए गए दिशा निर्देशों का पालन नहीं करते हुए मनमाफिक्र तरीके से घटिया किस्म के मटेरियल का उपयोग करते हुए बड़े स्तर पर आदिवासी बहुल झाबुआ जिले में भ्रष्टाचार किया जा रहा है

करोड़ो के पुल निर्माण में भारी लापरवाही

दरअसल तत्कालीन समय में लोक निर्माण विभाग पेटलावद द्वारा जनता के लिए आवागमन की दृष्टि से पेटलावद बामनिया स्टेट हाईवे मार्ग के मध्य चापल्दा घाटी से होकर के उज्जैन पेटलावद स्टेट हाईवे मार्ग कईडावद ग्राम तक जोड़ा था विभाग का उद्देश्य यह था कि मार्ग पर सफर करने वाले यात्रियों को बामनिया से उज्जैन बदनावर के लिए पेटलावद नहीं जाते हुए सीधे इस ग्रामीण पहुंच मार्ग की सहायता से बदनावर पेटलावद स्टेट हाईवे मार्ग पर कम दूरी कर पहुंच सकेंगे लेकिन बरसात के समय मार्ग के मध्य लाडकी नदी के कारण आवागमन में दुविधा होने के चलते एक बड़े ब्रिज पुल का करोड़ों का प्रोजेक्ट शासन द्वारा मंजूर किया गया था कंट्रक्शन का कार्य गुजरात के ठेकेदार द्वारा वर्तमान में करोड़ों की लागत से करवाया जा रहा है

लेकिन करोड़ों का पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया , बामनिया पेटलावद मार्ग कईडावद के मध्य करोड़ों का पुल जिसकी अनुमानित लागत लगभग 02 करोड़ 24 लाख रुपए है इसके कंट्रक्शन का कार्य गुजरात के किसी फर्म द्वारा किया जा रहा है गुणवत्ता विहीन बिना विभागीय देखरेख के चल रहे कार्य में ठेकेदार द्वारा मनमाफिक्र तरीके से घटिया मटेरियल का उपयोग जमकर किया जा रहा है जिसके कारण विगत दिनों ऊपर के समतलीकरण का एक बड़ा भाग घटिया कमजोर मटेरियल के चलते गिर गया पुल कार्य में लगाए जा रहे 40 एमएम का स्टील सरिया सहित बड़े चैनल भी इस हादसे में पूरी तरीके से मुड़ गए।

बिना सब इंजीनियर की देखरेख के अभाव में हुआ हादसा

करोड़ों रुपए की लागत से बन रहे ब्रिज पुल निर्माण कार्य राम भरोसे ही चल रहा है यहां विभाग के किसी भी सब इंजीनियर द्वारा नहीं देखा जा रहा है देखा जाए तो शासन के द्वारा बनाए गए मापदंडों के अनुसार यहां कार्य किया जाना था और विभाग के एसडीओ उपयंत्री के देखरेख में यह कार्य होना था लेकिन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से गुजरात के ठेकेदार द्वारा मनमाफिक्र तरीके से घटिया मटेरियल का उपयोग बिना सब इंजीनियर की अनुपस्थिति में किया गया जिसके कारण पुल के ऊपर के हिस्से का एक भाग गिर गया।

हो सकता है बड़ा हादसा

उक्त पुल निर्माण में की जा रही लापरवाही का परिणाम मौके पर कार्य करने वाले मजदूरों के साथ हो सकता है , ठेकेदार के इशारों पर घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है जो कही न कही बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है ऐसे में काम करने वाले मजदूरों की जान का भी जोखिम हो सकता है।

जिलाउपाध्यक्ष खुल कर उतरे मैदान में, सांसद पर लगाए गंभीर आरोप

सोशल मीडिया पर सांसद द्वारा पार्टी को नुकसान पहुंचाने व मनमानी करने की पोस्ट ओर कमेंट हो रहे वायरल

माही की गूंज, झाबुआ।

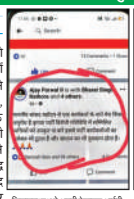

जिलाउपाध्यक्ष ने अपनी फेशबुक आईडी पर की सांसद के खिलाफपोस्ट लगाए गंभीर आरोप।

पोस्ट पर किया हुवा सांसद पर गंभीर आरोप का कमेंट।।

इस पोस्ट पर था जिलाउपाध्यक्ष अजय पोरवाल का कमेंट।

भारतीय जनता पार्टी जो कभी असुलो और सिद्धांतों वाली पार्टी के रूप में अपने आप को प्रचारित करती थी, अब उसी के पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी अपनी ही पार्टी से चुने जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध मुखर हो रहे हैं। सांसद गुमानसिंग डामोर पर लगातार संगठन को तोड़कर स्वयं परेलर संगठन पार्टी को तोड़कर ओर कांग्रेसियो को प्रोत्साहित कर खड़ा करने के गंभीर आरोप लग चुके हैं। लगातार पार्टी के अंदर विरोध की स्थिति उत्तपन हो गई। स्थानीय स्तर के कई बड़े नेता पार्टी के अंदरूनी कहल ओर मनमानी की जानकारी प्रदेश संगठन सहित दिल्ली संगठन तक बताकर अवगत करवा चुके हैं। सांसद गुमानसिंग डामोर के संगठन में लगातार बढ़ते हस्तक्षेप से परेशान संगठन के पदाधिकारी अब खुल कर सामने आ गए हैं। संगठन में बात रखने का कोई खास परिणाम नही आया तो सोशल मीडिया पर खुल कर विरोध दर्ज करवा कर पार्टी में पड़ी फुट-फजीते खुल कर सामने आ गए है।

5 बार के जिलाउपाध्यक्ष अजय पोरवाल ने सुनाई सांसद को खरी-खोटी

इन दिनों भाजपा की जिले की राजनीति में कोविड प्रभारियो को लेकर सभी नेता और पदाधिकारी एक-दूसरे के सामने हो रहे है। बिना जांचे परखे धड़ल्ले से कोविड वार्ड प्रभारीयो की नियुक्ति कर रहे हैं, जिनका संगठन और भाजपा से कोई लेना-देना नही, सांसद की मनमानी से परेशान जिलाउपाध्यक्ष अजय पोरवाल जो कि भाजपा के लिए पिछले 5 जिलाध्यक्षों के कार्यकाल में जिलाउपाध्यक्ष है विगत दिनों सांसद द्वारा की गई नियुक्ति की सोशल मीडिया पर बधाई संदेश पोस्ट किए जा रहे थे, जिस पर कमेंट में जिलाउपाध्यक्ष अजय पोरवाल ने सांसद को नसिहत देते हुए मनमानी के गंभीर आरोप लगा दिए। पोरवाल यही नही रुके उन्होंने इसको लेकर सीधे सांसद पर निशाना साधते हुए पोस्ट भी कर दी, जसमे उन्होंने लिखा माननीय सांसद महोदय से एक कार्यकर्ता के नाते मेरा विनम्र अनुरोध है, कृपया पार्टी विरोधी गतिविधि में सम्मिलित व्यक्तियों को उपकृत ना करें, इससे पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी टूटता है और संगठन का भी नुकसान होता है। पोस्ट के बाद राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई । जब इस संबंध में जिलाउपाध्यक्ष अजय पोरवाल से बात की तो उनका साफ कहना है सभी को पार्टी और संगठन की गाइडलाईन से चलना होता है, लेकिन जिले में गुट की राजनीति कर संगठन को नुकसान पहुँचाया गया जिससे कार्यकर्ताओ का मनोबल टूट रहा है।

सांसद पर कोई कार्यवाही होती है या जिलाध्यक्ष पर

संगठन तोड़ने के लगातार आरोपो से घिरे सांसद गुमानसिंग की कार्यप्रणाली की जानकारी दिल्ली-भोपाल के संगठन के पास पहुँच चुकी है, सांसद और जिलाध्यक्ष के बीच की फुट भी सबके सामने आ चुकी हैं, क्योंकि सांसद के खिलाफसंगठन की ओर से की गई टिप्पणी पर किसी प्रकार की कोई हिदायत जिलाउपाध्यक्ष को नही दी गई न ही चार दिन पहले की गई पोस्ट हटाई गई। जिससे साफहै जिलाध्यक्ष भी इस पोस्ट के समर्थन में है, सांसद के विरूद्ध लगातार बढ़ते विरोध के बीच अब ये देखना होगा कि राष्ट्रीय नेतृत्व अपने सांसद जो कि बिना किसी संगठात्मक जिम्मेदारी के जिले के संगठन में लगातार हस्तक्षेप बड़ा रहे हैं उनके उपर कोई गाज गिरती है या फिर उसके उलट सांसद के खिलाफ आवाज़ बुलंद करने वाले जिलाउपाध्यक्ष को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

कोरोना संक्रमण पाए जाने के बाद भी नहीं ले रहे गंभीरता से, हमारे बीच घूम रहे है संक्रमित

गर्भवती महिला की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद हुई परिवार के साथ रफूचक्कर

माही की गूंज, खवासा।

माही की गूंज प्रतिनिधि को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी ने कोरोना से लोग कितने सजग है व कितने लापरवाह है इतना ही नहीं स्वास्थ्य कर्मचारी ने माही की गूंज प्रतिनिधि के समक्ष स्वास्थ्यकर्मियों की पीड़ा को भी बयां किया। जिसे सुनने के बाद स्वास्थ्यकर्मी की बातें तो चिंतनीय थी। जिन्होंने बताया कि, खवासा में कोविड वैक्सीन सेंटर में 45 प्लस के व्यक्तियों का रुझान वैक्सीन लगाने में कम दिखाई दे रहा है इसलिए कभी-कभी 2 से 3 दिन में कुल मिलाकर 10 व्यक्तियों का नाम आ आता है और फिर उन्हें फोन करके बुलाकर वैक्सीन लगाने का कार्य कर रहे हैं। मकोडिया व भामल में भी टीम वैक्सीन लगाने जाती है पर कोई वैक्सीन नहीं लगवाता है। इतना ही नहीं क्षेत्र में कई सरपंच व पंचों तक ने वैक्सीन नहीं लगवाई, सरपंच, पंच व ग्राम पंचायत स्तर पर गणमान्य नागरिक एक समूह के साथ वैक्सीन लगवाकर लोगों को जागरूक करेंगे तो ही ग्रामीण क्षेत्र में वैक्सीनेशन बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य कर्मचारी ने यहां तक बताया कि, ग्रामीण क्षेत्र में जब हमारे स्वास्थ्यकर्मी घरों में जानकारी लेने जाते हैं कि, कौन बीमार है और कौन स्वस्थ है, तो स्वास्थ्यकर्मी को देखकर ही कई जगह ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्यकर्मी को जिस तरह से किड़ान्दे कुत्ते को धुधकार कर भगाते हैं उसी तरह स्वास्थ्यकर्मी को दूर से ही आते देख बिना जानकारी के ही धूधकार कर भगा देते हैं। इतना ही नहीं स्वास्थ्य कर्मचारी ने यहां तक बताया कि, शुक्रवार को खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्षेत्र के ग्राम परवाड़ा की एक गर्भवती महिला अपने भाई व परिवार के साथ चेकअप करवाने आई थी, महिला की शादी राजस्थान के कुकड़ीपाड़ा में हुई है, गर्भवती महिला का रैपिड टेस्ट करने पर कोरोना पॉजिटिव पाई गई जिसके बाद साथ में आए व्यक्ति का भी रैपिड टेस्ट किया गया जो नेगेटिव पाए गए थे। गर्भवती महिला कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद उसे पॉजिटिव होना पता चलने पर अपने भाई व परिवार के साथ अस्पताल से चकमा देकर रफूचक्कर हो गई। जब महीला के बारे में रफूचक्कर होना पता चला तो स्थानीय स्वास्थ्य विभाग हक्का-बक्का रह गया और थांदला बीएमओ को जानकारी देने के बाद वाहन के साथ कोविड टीम परवाड़ा पहुंची, परंतु वहां बता दिया की घर में कोई नहीं है।

स्वास्थ्य कर्मचारी की उक्त बात चिंतनीय है कि, क्षेत्र में कोविड वैक्सीन को लेकर लोगों में आज भी डर बना हुआ है और स्वास्थ्यकर्मी के साथ ऐसा व्यवहार करना किसी भी स्थिति में सही नहीं है। वहीं गर्भवती महिला के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उसका रफूचक्कर हो जाना, ऐसे मामले से यही पता चलता है कि, अब कोरोना संक्रमण होने के बाद भी लोग लापरवाह होकर अपने साथ अपनों एवं आमजन की जिंदगी से खिलवाड़ करते हुए हमारे बीच कोरोना मरीज सामान्य रूप से घूम भी रहे हैं, जो भी पता नहीं चल रहा है। इसलिए हम सभी को सजगता दिखाकर 2 गज की दूरी व मास्क है जरूरी का पालन आवश्यक रूप से करना है व वैक्सीनेशन के लिए हमें आगे आकर अधिक से अधिक वैक्सीनेषन करवाना है तभी तो जीतेगा भारत हारेगा कोरोना।

कोविड सेन्टर पर गिने चुने ही आ रहे वैक्सिन लगवाने।

पांच राजवंशों का राज देख चुका है हिंगलाजगढ़ अंग्रेजो ने अपना आरामगाह बनाया था दुर्ग को

मही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

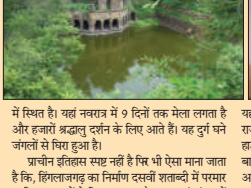

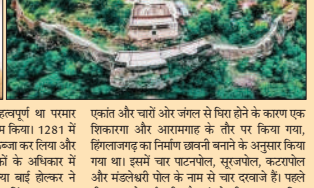

जिले की भानपुरा तहसील में नवली के समीप स्थित एक प्राचीन दुर्ग है। यह मंदसौर से 165 कि.मी. और भानपुरा से 26 कि.मी. दूरी पर स्थित है। इसमें प्राचिन मूर्तियाँ और अवशेष मिले हैं, जिनमें सबसे पुराने अवशेष 4 थी या 5 वीं शताब्दी के हैं। यहां गुप्त काल से लेकर परमार काल तक की मूर्तियाँ मिली हैं। यहां से प्राप्त नन्दी और उमा-महेश्वर की प्रतिमाओं ने फ्रांस और वाशिंगटन में हुए भारत फेस्टिवल में आंतरिक मंच पर अपनी अलग ही पहचान बनाई थी। परमार काल में यह दुर्ग अपने चरम पर था। दुर्ग का नाम हिंगलाज माता पर रखा गया है और दुर्ग परिसर में उनका मंदिर भी है। माता हिंगलाज का मूल मंदिर बलोचिस्तान में स्थित है, जिसके अनुसरण में यह बनाया गया है। हिंगलाज माता क्षत्रियो की कुलदेवी मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि, मौर्य शासकों ने हिंगलाज मंदिर की स्थापना की थी क्योंकि वह उनकी कुलदेवी थी, किले के निर्माण से पहले यह जगह ÷हिंगलाज टेकरी÷ के नाम से जानी जाती थी और बाद में मौर्य शासकों ने यहां एक गढ़ का निर्माण करवाया और इस स्थान को हिंगलाजगढ़ या हिंगलाज का किला के नाम से जाना गया। मंदिर के अंदर हिंगलाज देवी की एक प्राचीन प्रतिमा स्थापित है, मंदिर किले के दक्षिण भाग में स्थित है। यहां नवरात्र में 9 दिनों तक मेला लगता है और हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। यह दुर्ग घने जंगलों से घिरा हुआ है।

प्राचीन इतिहास स्पष्ट नहीं है फिर भी ऐसा माना जाता है कि, हिंगलाजगढ़ का निर्माण दसवीं शताब्दी में परमार कालिन राजाओं ने किया था। इसके बाद यहां चंद्रावतों का शासन आया फिर होलकर राज्य का शासन आया तो यशवंतराव होलकर ने इसका पुनर्निर्माण करवा कर इस किले को छावनी के रूप में इस्तेमाल किया था।

किले से मिली प्राचिनलिपी के शिलाखंडो से किले के प्राचीन इतिहास के बारे में पता चलता है। जिसके अनुसार सैकड़ों वर्ष पहले चित्तौड़ पर शासन करने वाली तक्ष या तक्षक जाति का संबंध मोर्य जनजाति से था, परमार इसी मोर्य जनजाति के वंशज थे। परमार काल में यह गढ़ सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण था परमार राजाओं ने इसे सुदृढ़ बनाने का काम किया। 1281 में हाड़ा शासक हालू ने इस किले पर कब्जा कर लिया और बाद में यह किला चंद्रावत शासकों के अधिकार में आया। 1773 में महारानी अहिल्या बाई होल्कर ने लक्ष्मण सिंह चंद्रावत से जीतकर हिंगलाजगढ़ पर आधिपत्य जमा लिया। होलकर काल में यहाँ कई इमारतों का पुनरुद्धार किया गया, जिसमें हिंगलाज माता मंदिर, राम मंदिर और शिव मंदिर प्रमुख हैं। हालांकि इस किले पर कई राजवंशों ने अपना आधिपत्य जमाया, लेकिन किसी ने भी इसे अपनी स्थायी राजधानी नहीं बनाया। एकांत व निर्जन स्थान पर होने की वजह से इस किले को छुपने या अपना वर्चस्व बढ़ाने में इस्तेमाल अधिक किया। ब्रिटिश काल के दौरान इस किले का उपयोग एकांत और चारों ओर जंगल से घिरा होने के कारण एक शिकारगा और आरामगाह के तौर पर किया गया, हिंगलाजगढ़ का निर्माण छावनी बनाने के अनुसार किया गया था। इसमें चार पाटनपोल, सूरजपोल, कटरापोल और मंडलेश्वरी पोल के नाम से चार दरवाजे हैं। पहले तीन दरवाजे पूर्वमुखी और मंडलेश्वरी दरवाजा पश्चिम मुखी है। किले में पानी के भण्डारण हेतू सूरजकुंड नामक जलाशय को भी बनाया गया था।

2019 में शासन ने इसकी सुध ली और फिर यहां विकास कार्य शुरू हुआ, लगभग दो से तीन करोड रुपए खर्चकर सरकार द्वारा इस जगह को संवारा जा रहा है। तब से विकास कार्य यथावत जारी है। श्री हिंगलाज माता के दर्शन के लिए कई भक्त आते हैं, लेकिन साधन नहीं होने से लोगों को निजी वाहन से ही जाना पड़ता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता बापू का निधन

माही की गूंज, खवासा। क्षेत्र के सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक कार्यों के अग्रणी भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता महेंद्र सिंह राठौर (बापू) का अल्प बीमारी (कोरोना नही) के चलते बुधवार शाम 6 बजें निधन हो गया है। वह राजनीतिक के साथ-साथ गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य थे, उनके निधन से क्षेत्र में अपूर्ण क्षति हुई है। गणमान्य नागरिकों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है, गूंज परिवार ऐसे कर्मयोगी को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422